तापमान

अधिकतम 27.0 डिग्री
न्यूनतम 14.0 डिग्री

हरिभूमि हिसार भूमि

रोहतक, रविवार, 16 मार्च 2025

11 झूठी शिकायत किए जाने पर शिकायतकर्ता पर करें ...

12 बारिश में जलभराव से निपटने की तैयारियां में जुटने के ...

खबर संक्षेप

मकान से 50 हजार की नकदी चोरी

बरवाला। शहर की राजधानी कॉलोनी स्थित मकान में घुसकर चोरी 50 हजार रुपये चुरा ले गए। चोरी की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की। राजधानी कॉलोनी, वार्ड नंबर 7 में रहने वाले सुरेंद्र कुमार ने बताया कि घर से चोर 50 हजार रुपये की नकदी ले उड़े। यह राशि उसके बीमार पिता के इलाज के लिए रखी गई थी। उसने बताया कि खाना खाकर हमारा पूरा परिवार सो रहा था, तो देर रात्रि में कोई चोर घर में घुस आए। चोरों ने सिर्फ अलमारी में रखी नकदी को ही निशाना बनाया।

रंजिशन महिला सहित चार को घायल किया

हिसार। शहर की महाबीर कॉलोनी में फाग के दिन पुरानी रंजिश के चलते एक परिवार के चार सदस्यों को बुरी तरह पीटकर घायल करने का समाचार है। घटना में चेतन, उसका भाई रोहित और उनके माता-पिता सुरेंद्र और सुशीला घायल हो गए। नागरिक अस्पताल में भर्ती घायल चेतन ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वह अपने प्लॉट में पशुओं को चारा डालने गया था। इसी दौरान सुनील और ललित नाम के दो युवक वहां आए। उन्होंने चेतन के साथ मारपीट शुरू कर दी। नुकीली वस्तु से उसके मुंह पर वार किया। फिर उसे घसीटकर गली में ले गए। इस बीच उनके अन्य साथी भी वहां आ गए। पड़ोसियों ने चेतन की मां सुशीला को सूचना दी। सुशीला अपने पति सुरेंद्र और बेटे रोहित के साथ बेटे को बचाने पहुंची।

दहेज प्रताड़ना देने वाले ससुरालियों पर केस दर्ज

बरवाला। क्षेत्र के गांव बधावड़ निवासी विवाहिता के साथ दहेज प्रताड़ना व जबरन गर्भपात का मामला सामने आया है। पीड़िता ने ससुरालजनों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस को दी शिकायत के अनुसार विवाहिता अमन की शादी 16 जनवरी 2024 को जींद जिले के गांव छातर के पहने वाले रमेश के साथ हुई थी। शादी के कुछ महीने बाद रमेश को एमटीएस की सरकारी नौकरी मिली। इसके बाद ससुराल वालों ने नौकरी लगवाने के नाम पर अमन से तीन लाख रुपए की मांग की। रकम देने से मना करने पर उसके साथ मारपीट की गई। पीड़िता का आरोप है कि उसकी ननद ममता ने धोखे से उसे गर्भपात की दवा खिला दी। इससे उसका दो महीने का गर्भ नष्ट हो गया। गत 20 अगस्त को उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया गया।

बुढाखेड़ा में आंगनबाड़ी केन्द्र का गेहूं चोरी

उकलाना मंडी। क्षेत्र के गांव बुढाखेड़ा गांव से आंगनवाड़ी केंद्र के लिए आया गेहूं चोरी होने का समाचार है। पुलिस ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शकुंतला देवी की शिकायत पर केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में शकुंतला देवी ने बताया कि विभाग द्वारा बच्चों के लिए समय समय पर गेहूं व अन्य सामान भेजा जाता है। उन्होंने बताया कि अब विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में गेहूं भेजा गया था, जो उन्होंने पास लगते एक प्लाट में रखवा लिया था।

हवाई फायर करने के मामले में पांच गिरफ्तार

हिसार। आजाद नगर थाना पुलिस ने राजगढ़ रोड नहर पुल पर दहशत फैलाने के इरादे से हवाई फायर करने के मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें धीरणवास निवासी आत्मप्रकाश, गीता कॉलोनी निवासी विनय, कापड़ो निवासी सचिन, गीता कॉलोनी निवासी सागर और सेक्टर 14 हिसार निवासी अमर उर्फ चिंटू शामिल है। उप निरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों ने 14 मार्च की शाम करीब 4 बजे राजगढ़ रोड नहर पुल पर दहशत फैलाने के इरादे से हवाई फायर किया।

पुरातत्व विभाग की उप निदेशक बनानी भट्टाचार्य कर रही देखरेख

लंबे इंतजार के बाद अग्रोहा टीले की खुदाई का कार्य शुरू

- राखीगढ़ी की तर्ज पर विकसित करने की योजना
- सरस्वती काल की सभ्यता के अवशेषों को भी सुरक्षित रखने के प्रयास किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

लंबे इंतजार व वर्षों की मांग के बाद जिले के अग्रोहा में स्थित टीले की खुदाई शुरू हो गई है। पुरातत्व विभाग हरियाणा की उप निदेशक बनानी भट्टाचार्य के नेतृत्व में शुरू हुई यह खुदाई का कार्य छोटे क्षेत्र में शुरू किया गया है।

जीपीआर सर्वे के अनुसार यह काम धीमी गति से किया जा रहा है। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि खुदाई से निकलने वाली सामग्री जैसे कंकर, पत्थर और मिट्टी को अलग-अलग संग्रहित किया जा रहा है। इन नमूनों का कार्बन डेटिंग के लिए उपयोग किया जाएगा।

सरकार इस स्थल को राखीगढ़ी की तर्ज पर विकसित करने की योजना बना रही है। राखीगढ़ी में पहले से ही पुरानी सभ्यता के संरक्षण का काम चल रहा है। साथ ही सरस्वती काल की सभ्यता के अवशेषों को भी सुरक्षित रखने के प्रयास किए जा रहे हैं।

500 वर्गमील क्षेत्र में फैला था अग्रसेन का शासन

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल शरण गर्ग के अनुसार, महाराजा अग्रसेन का शासन 500 वर्गमील क्षेत्र में फैला था। विष्णु पुराण, लक्ष्मी पुराण और अग्रभागवत पुराण में अग्रोहा का उल्लेख मिलता है। प्राचीन काल में इसे अग्रोदक के नाम से जाना जाता था।

एक फीट लंबा लाल सांप निकला

खुदाई के दौरान सभी यह देखकर हैरान रह गए कि वहां एक फीट लंबा लाल रंग का सांप निकला, जिसे कामगारों ने सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार खजाने की रक्षा नाग देवता करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि लगभग 15 मीटर की खुदाई के बाद प्राचीन इमारतें और बहुमूल्य पुरातात्विक सामग्री मिल सकती है। फिलहाल ऊपरी सतह की सफाई का काम चल रहा है।

जिले के सरहेड़ा गांव में ईंट भट्टे पर हुई वारदात, दोनों ने पी रखी थी शराब

सरहेड़ा में भट्ठा मजदूर की पत्नी ने ईंट से वार करके कर दी पति की निर्मम हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बरवाला

निकटवर्ती गांव सरहेड़ा में ईंट भट्ठे पर काम करने वाले दंपति के बीच हुई कहासुनी के बाद पत्नी ने पति की ईंट मारकर निर्मम हत्या कर दी। फाग के दिन शाम को हुई उक्त घटना के समय पति व पत्नी ने शराब पी रखी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार देर रात्रि गांव सरहेडा में ईंट भट्टे पर कार्यरत एक मजदूर की पत्नी ने अपने पति की ईंट से वार करके निर्मम हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मृतक के पड़ोसी बिहार के नालंदा जिले के हसनपुर थाना के गांव रागगिर निवासी सरन के बयान पर मृतक की पत्नी नौनिडीह मैजरा निवासी सावित्री के खिलाफ मामला दर्ज करके कार्रवाई आरंभ कर दी है।

मृतक के पड़ोसी सरन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि होली के त्यौहार की खुशी में गांव सरहेडा में स्थित शिव शंकर ब्रिक्स कंपनी ईट भट्टे पर कार्यरत मजदूर शराब पीकर व रंग लगाकर त्योहार मना रहे थे। मजदूर सीता राम व उसकी पत्नी सावित्री भी शराब पी रहे थे। दोनों ने मिलकर देर रात तक शराब पी थी। रात्रि लगभग साढ़े 12 बजे मजदूर सीताराम की बेटी कल्पना रोती हुई सरन के पास आई और बोली कि उसके मम्मी व पापा शराब पीकर झगड़ा कर रहे हैं और उसकी मम्मी सावित्री ने उसके पापा सीता राम को ईंट से चोटें मारी है। वो सीता राम की बेटी कल्पना के साथ सीताराम की झुग्गी के पास पहुंचा तो पाया कि झुग्गी के बाहर मजदूर सीताराम बेहोशी की हालत में गिरा पड़ा था और सीताराम के सिर पर व मुंह पर चोटें लगी हुई थी तथा खून निकला हुआ था। सीताराम की पत्नी सावित्री भी नशे की हालत में झुग्गी के बाहर खड़ी थी जिसके हाथ में ईट थी और माथे पर चोट लगी हुई थी। इस बारे ईट भट्ठे के मुंशी संदीप और भट्ठे के मालिक प्रदीप को सूचित किया गया।

फाग के दिन दो हादसों में एक की मौत, एक घायल

हिसार। होली के बाद फाग के दिन अग्रोहा क्षेत्र में दो हादसे हुए। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि पैदल जा रहा एक व्यक्ति घायल हो गया। घटना देर रात की है। मिली जानकारी के अनुसार पहला हादसा अग्रोहा-बरवाला रोड पर नंगथला के पेट्रोल पंप के पास हुआ। यहां एक फॉर्च्यूनर और प्लेटिना बाइक की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। दूसरे हादसे में एक बाइक सवार ने पैदल जा रहे युवक को टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने तुरंत डायल 112 और अग्रोहा पुलिस को सूचना दी। डायल 112 की टीम गंभीर रूप से घायल बाइक सवार को अग्रोहा मेडिकल कॉलेज ले गई। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक युवक गांव नंगथला का रहने वाला था। अग्रोहा पुलिस दोनों हादसों की जांच कर रही है। पुलिस दोनों हादसों की जांच में जुटी है।

हिसार। हादसे के बाद क्षतिग्रस्त गाड़ी।

अज्ञात वाहन की चपेट से साइकिल सवार की मौत

हिसार। हांसी-जींद रोड स्थित गुजर बाड़ा के समीप बृहस्पतिवार शाम को अज्ञात वाहन ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। हादसे में साइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल पहुंचाया जहां मृतक की पहचान ढाणी चदरपुल निवासी 57 वर्षीय मोहन लाल के रूप में हुई है। पुलिस ने मृतक मोहन के भाई कमल के शिकायत के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने तथा गैर इरादतन हत्या की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दिए बयान में कमल ने बताया कि उसका भाई मोहन लाल बृहस्पतिवार सुबह होली के अवसर पर अपनी ससुराल पाली गांव गए थे। देर शाम को वह अपनी साइकिल पर सवार होकर घर लौट रहे थे। और जैसे ही वह गांव गुजर बाड़ा के समीप पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने उसकी साइकिल को टक्कर मार दी। जिससे वह साइकिल सहित सड़क पर जा गिरा। जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। और सिर में लगी गंभीर चोटों के कारण उसकी मौत हो गई।

अनियंत्रित गाड़ी पेड़ से टकराई, युवक की मौत

हिसार। दिल्ली हाइवे पर अनियंत्रित होकर एक क्रेटा गाड़ी पेड़ से टकरा गई। हादसे में क्रेटा सवार लगभग 32 वर्षीय संदीप की मौत हो गई। वह हिसार से अपने गांव मय्यड़ जा रहा था। हादसे के बाद युवक को गाड़ी का शीशा तोड़कर बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि मय्यड़ गांव का रहने वाला संदीप मोबाइल फोन कंपनियों के टावर में डीजल डालने का काम करता था। फाग के दिन वह देर रात 9:30 बजे क्रेटा गाड़ी से घर लौट रहा था। रायपुर चौक के पास एयरपोर्ट होटल के नजदीक कार का बैलेंस बिगड़ गया और कार रोड किनारे पेड़ से जा टकराई। कार के एयरबैग भी खुल गए। पेड़ से टकराने के बाद कार बुरी तरह से टूट गई। संदीप उसमें फंस गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। कार का शीशा तोड़ कर युवक को बाहर निकाल कर हिसार के अस्पताल में पहुंचाया। डॉक्टर उसकी जान नहीं बचा सके। परिजनों ने बताया कि संदीप की शादी हो चुकी थी। उसके दो बच्चे हैं।

दहेज की मांग पूरी नहीं किए जाने पर पत्नी को बच्चों समेत घर से निकाला

खास बातें

- पति सुनील ने मोटरसाइकिल और अन्य परिजनों ने सोने की अंगूठी की मांग की
- कांता नाम की महिला ने अपने पति सुनील के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

दहेज की मांग पूरी नहीं किए जाने पर पत्नी व बच्चों को घर से निकालने व दहेज प्रताड़ना का एक मामला प्रकाश में आया है। कांता नाम की महिला ने अपने पति सुनील के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। वहीं शिकायत के आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में कांता ने बताया की उसकी 6 जुलाई 2003 को सुनील के साथ हुई थी। शादी में उसके मायके पक्ष द्वारा 5 लाख रुपये खर्च किए थे।

लेकिन शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल वाले कम दहेज लाने का आरोप लगाकर प्रताड़ित करने लगे। पति सुनील ने मोटरसाइकिल और अन्य परिजनों ने सोने की अंगूठी की मांग की। लेकिन उसने परिवार द्वारा उनकी मांग पूरी करने में व्यक्त की जाने बाद भी सुनील उससे सितंबर 2023 में फिर मोटरसाइकिल की मांग दोहराई। उसके द्वारा मना किए जाने के बाद उसके साथ मारपीट की गई।

उसने एक बच्चे को जन्म दिया लेकिन सुनील की मोटरसाइकिल लाने की मांग पूरी नहीं पर उसे बच्चे समेत घर से निकाल दिया गया। इसके बाद वह अपने मायके आ गई और उसके बाद उसके मायके वालों ने पंचायत के जरिए उसे वापस ससुराल भेजने की कोशिश की, लेकिन ससुराल वालों ने दहेज की मांग पूरी नहीं होने तक उसे वापस ले जाने से स्पष्ट इनकार कर दिया। बिना मोटरसाइकिल लिए वापस आने पर जान से मारने की धमकी दी।

कच्ची शराब की अवैध भट्ठी चलाता एक काबू

- 80 लीटर लाहन व 2 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब बरामद

हांसी। सीआईए पुलिस ने एक युवक को अवैध भट्ठी चलाते हुए 80 लीटर लाहन व 2 लीटर अवैध कच्ची देशी शराब (हथकड) सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गुराना निवासी विजेन्द्र के रूप में हुई है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार सीआईए स्टाफ को गश्त पड़ताल दौरान सूचना मिली थी कि गुराना गांव में एक व्यक्ति अपने खेत में बने कमरे में अवैध भट्ठी लगाकर कच्ची शराब निकाल रहा है। सूचना के आधार पर सीआईए पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए मौके पर अवैध भट्ठी चलाकर कच्ची शराब निकाल रहे आरोपी को हिरासत में लेकर मौके से 80 लीटर लाहन, 2 लीटर कच्ची अवैध शराब, एक गैस सिलेंडर व भट्ठी में प्रयुक्त चुल्हा व अन्य सामान बरामद कर कब्जा पुलिस में लेकर आरोपी को काबू कर लिया।

पति-सौतेला बेटा कर रहा था प्रताड़ित

महिला की मौत के एक माह बाद पति व सौतेले बेटे पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हांसी

पुलिस ने महिला की जहर निकल कर आत्महत्या किए जाने के करीब एक माह बाद पति व उसके सौतेले बेटे के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर किए जाने की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। लालपुरा गांव की एक महिला की जहर खा लिए जाने से 18 फरवरी को मौत हो गई थी। उस वक्त मृतका के परिजनों ने आरोप लगाया था कि मृतका रेनू ने कथित तौर पर पति जितेंद्र और सौतेले बेटे रिंकू की प्रताड़ना से तंग आकर सल्फास निगल कर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने अब महिला की मौत के करीब एक महीने बाद आरोपियों पर केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में मृतका रेनू के भाई हिसार निवासी अमित ने बताया कि रेनू की पहली शादी देवा निवासी राजेंद्र से हुई थी। इस शादी से उनके दो बेटे हुए। राजेंद्र की मौत के बाद रेनू हमारे पास हिसार रहने लगी थी। लेकिन करीब 10 साल पहले हमने उसकी दूसरी शादी लालपुरा निवासी जितेंद्र के साथ कर दी थी। लेकिन जितेन्द्र के साथ हुई शादी से रेनू को कोई संतान नहीं हुई। और उसने 17 फरवरी को संदिग्ध परिस्थितियों जहर खा लिया था और जहर खाने के बाद उसे हांसी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमित ने बताया कि रेनू द्वारा जहरीला पदार्थ निगल लिए जाने के बाद जितेंद्र ने फोन कर मुझे सूचना दी थी।

हिसार। पुलिस द्वारा भारी मात्रा में पकड़ी गई शराब।

भारी मात्रा में अंग्रेजी शराब पकड़ी, चालक काबू

हिसार। पुलिस टीम ने एयरपोर्ट के पास वाहनों की चैकिंग के दौरान बोलेरो गाड़ी से भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद की है। पुलिस ने गाड़ी में मिली 35 पेटी अवैध शराब की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात को गश्त के दौरान सूचना मिली थी कि एक बोलेरो कैंपर हिसार की तरफ आ रही है, जिसमें अवैध शराब भरी हुई है। यह गाड़ी तलवंडी राणा से धांसू की ओर आ रही है। अगर नाकाबंदी की जाए तो भारी मात्रा में अवैध शराब पकड़ी जाएगी। इसके बाद पुलिस ने तलवंडी राणा टी प्वाइंट नजदीक गैस प्लाट धान्सू रोड़ हिसार पर नाकाबंदी कर सामने आ रही बोलेरो को रुकवा दिया और तलाशी ली तो उसमें से 35 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। पुलिस ने अंग्रेजी शराब मार्का ऑल सीजन 2 पेटी, इंपीरियल ब्लू 2 पेटी, रॉयल स्टैग 3 पेटी, मैक डोनाल्ड 2 पेटी, बीयर 14 पेटी और 12 पेटी देसी शराब मौके से पकड़कर जब्त कर ली।

जल्द पूरे कर लें टैक्स से जुड़े कुछ जरूरी काम वरना लगेगा जुर्माना

सुझाव | बिजनेस डेस्क

मार्च का महीना समाप्त होने वाला है और इसके साथ ही वित्तीय वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष 25) भी अपने अंतिम चरण में है। इस महीने के खत्म होते ही कई टैक्स से जुड़ी अहम समय-सीमाएं भी पूरी हो जाएंगी, जिनमें टीडीएस भुगतान, आईटीआर फाइलिंग और अन्य टैक्स दायित्व शामिल हैं। ऐसे में किसी भी तकनीकी गड़बड़ी या पेनल्टी से बचने के लिए समय पर सभी टैक्स संबंधित कार्य पूरे कर लेना बेहद जरूरी है। टैक्सपेयर्स के लिए जरूरी है कि वे महत्वपूर्ण टैक्स डेडलाइंस पर नज़र रखें, जिससे सभी दायित्वों को सही समय पर पूरा किया जा सके और अंतिम समय की परेशानी से बचा जा सके। मार्च में कई अहम टैक्स डेडलाइंस हैं, जिन पर ध्यान देना जरूरी है। मार्च 2025 में कई अहम टैक्स डेडलाइन्स आ रही हैं, जिनका पालन करना जरूरी है। समय पर टैक्स भरने से पेनल्टी और अन्य दिक्कतों से बचा जा सकता है। इस रिपोर्ट में जानते हैं इस महीने की प्रमुख टैक्स समय-सीमाएं।

15 मार्च: एडवांस टैक्स और फॉर्म 24 जी

असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए एडवांस टैक्स की चौथी और आखिरी किस्त भरने की अंतिम तारीख 15 मार्च है। जो टैक्सपेयर्स प्रेजम्पटिव टैक्सेशन स्कीम (सेक्शन 44एडी/44एडीए) के तहत आते हैं, उन्हें पूरे साल का एडवांस टैक्स 15 मार्च तक भरना होगा। सरकारी दफ्तरों को, जिन्होंने फरवरी में बिना चालान के टीडीएस/टीसीएस काटा है, उन्हें इस दिन तक फॉर्म 24जी जमा करना होगा।

17 मार्च: टीडीएस सर्टिफिकेट

सेक्शन 194-आईए, 194-आईबी और 194एस के तहत जनवरी 2025 में काटे गए टीडीएस का सर्टिफिकेट जारी करने की आखिरी तारीख 17 मार्च है।

30 मार्च: चालान-कम-स्टेटमेंट

फरवरी 2025 के लिए सेक्शन 194-आईए, 194-आईबी, 194एम और 194एस के तहत काटे गए टैक्स की रिपोर्टिंग चालान-कम-स्टेटमेंट के जरिए करनी होगी। इसकी अंतिम तारीख 30 मार्च है।

31 मार्च: फॉर्म 3सीईएडी, फॉर्म 67 और अपडेटेड आईटीआर

-फॉर्म 3सीईएडी : मल्टीनेशनल कंपनियों को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 के लिए कंट्री बाई कंट्री फाइल करनी होगी। यह रिपोर्ट पैरेंट एंटिटी या भारत में किसी अल्टरनेटिव रिपोर्टिंग एंटिटी द्वारा सबमिट की जा सकती है। अगर पैरेंट एंटिटी सेक्शन 286(2) के तहत छूट प्राप्त है या किसी ऐसे देश में स्थित है जहां भारत के साथ टैक्स जानकारी साझा करने का समझौता नहीं है, तो कंपनी की अन्य संबंधित एंटिटी यह रिपोर्ट फाइल कर सकती है।

फॉर्म 67

अगर किसी टैक्सपेयर ने 2022-23 के लिए फॉरिजन टैक्स क्रेडिट का दावा किया है, तो उन्हें यह फॉर्म 31 मार्च तक भरना होगा। यह उन लोगों के लिए जरूरी है, जिन्होंने सेक्शन 139(1) या 139(4) के तहत समय पर अपना इनकम टैक्स रिटर्न फाइल किया था।

अपडेटेड आईटीआर

असेसमेंट ईयर 2022-23 के लिए अपडेटेड इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने की आखिरी तारीख भी 31 मार्च है।

नोट : इन जरूरी तारीखों को ध्यान में रखते हुए टैक्सपेयर्स को सभी दस्तावेज समय पर फाइल कर लेने चाहिए, ताकि किसी भी तरह की पेनल्टी या लीगल कार्रवाई से बचा जा सके।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

ऐसे करें निवेश, चक्रवृद्धि ब्याज का जादू दिखाएगा कमला, सात पुश्तें भी जिंदगीभर बैठकर खाएंगी

एसडब्ल्यूपी निवेश का बेहतरीन फॉर्मूला, भविष्य होगा चकाचक

- बिना काम किए जिंदगीभर एक निश्चित रकम आती रहेगी
- एक करोड़ के बन जाएंगे तीस करोड़, सभी खर्चें होंगे पूरे

इसका सबसे अच्छा तरीका एसडब्ल्यूपी है। जैसे एसआईपी होता है, उसका उलट एसडब्ल्यूपी है। आपको एसडब्ल्यूपी के जरिए किसी म्यूचुअल फंड में एक करोड़ रुपये निवेश करने होंगे। फिर वहां से आप हर महीने अपने खर्चे लायक एक फिक्स रकम निकाल सकते हैं। इसके बाद भी ये एक करोड़ लगातार बढ़ते रहेंगे। धीरे-धीरे यह रकम इतनी बढ़ जाएगी कि सात पुश्तों तो क्या, इसके आगे की पीढ़ी भी घर बैठकर खाती रहेगी।

अगर आपके पास बड़ी रकम है और चाहते हैं कि बिना काम किए जिंदगीभर एक निश्चित रकम आती रहे तो यह संभव है। इसके लिए आपको एक प्लान के तहत निवेश करना होगा। इससे आपका और आपके बच्चों तक का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा। आपकी सात पुश्तें भी आराम से बैठकर खा सकती हैं। आपको इसके लिए लक्ष्य तय कर निवेश करना होगा। ऐसे निवेश के लिए सबसे बेहतर तरीका एसडब्ल्यूपी है। यह एसआई के विपरीत अच्छा मुनाफा देने में सक्षम है। इस योजना में आपको चक्रवृद्धि ब्याज का जादू देखने को मिलेगा और आप मालामाल हो जाएंगे और कमाने के लिए बाहर नही जाना पड़ेगा बिना कुछ किए ही एक निश्चित रकम आपको हर महीने मिलती रहेगी। ऐसा बिलकुल संभव है इसे संभव बनाता है म्यूचुअल फंड। इसमें बड़ी रकम निवेश करके न केवल आप बल्कि आपकी सात पुश्तें भी जिंदगीभर बैठकर खा सकती हैं। काफी लोग ऐसे हैं जिनके पास काफी पैसा है। वह उस पैसे को कई जगह निवेश करते हैं। काफी ऐसी स्कीम हैं, जिनमें एक फिक्स रिटर्न मिलता है। इनमें एफडी, एनपीएस शामिल हैं। हालांकि इनसे मिलने वाला रिटर्न काफी कम होता है। वहीं, अगर आपके पास एक करोड़ रुपये हैं तो इससे न केवल आप बल्कि आपकी सात पुश्तें भी जिंदगीभर बैठकर खा सकती हैं, लेकिन इसके लिए इस एक करोड़ रुपये को भी सही जगह निवेश करना होगा।

कैसे काम करता है एसडब्ल्यूपी

हर म्यूचुअल फंड सालाना कुछ न कुछ रिटर्न देता है। डेटा के मुताबिक सालाना रिटर्न 15 फीसदी या इससे ज्यादा तक मिलता है। जब आप एक करोड़ रुपये किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करेंगे तो इस पर भी आपको रिटर्न मिलेगा। जानकारों के मुताबिक एसडब्ल्यूपी में सालाना रिटर्न 8 फीसदी से ज्यादा मानकर नहीं चलना चाहिए। हालांकि रिटर्न इससे ज्यादा मिल सकता है। ऐसे में न केवल आप हर महीने कुछ रकम निकाल सकेंगे, बल्कि आपकी रकम भी बढ़ती जाएगी।

हर महीने कितने रुपये मिलेंगे

एसडब्ल्यूपी के दौरान आपको इस बात का ध्यान रखना होगा कि वर्षों तक के लिए आप हर महीने बहुत ज्यादा रकम नहीं निकाल सकते। मान लें कि कोई म्यूचुअल फंड 8 फीसदी सालाना रिटर्न दे रहा है। इसमें एक करोड़ रुपये निवेश करके आप हर महीने 50 हजार रुपये जिंदगीभर निकाल सकते हैं। अगर आप 30 साल तक 50 हजार रुपये महीने निकालते हैं तब भी 30 साल बाद भी आपकी यह रकम बढ़कर 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की बचेगी।

कैसे कमाई करेंगी सात पुश्तें

चूंकि आपके पास अभी 3 करोड़ रुपये हैं। आप चाहें तो जिंदगीभर हर महीने 50 हजार या इससे ज्यादा की रकम और ले सकते हैं। मान लें कि आप ये 30 करोड़ रुपये अपने बच्चों के लिए छोड़ जाते हैं। 30 साल बाद महंगाई बढ़ेगी। साथ ही म्यूचुअल फंड का रिटर्न भी बढ़ने की उम्मीद रहेगी। अगर आपकी पीढ़ी उन 3 करोड़ रुपये को किसी ऐसे म्यूचुअल फंड में निवेश करती है जो 10 फीसदी सालाना का रिटर्न दे रहा हो। तो ऐसे में आपकी वह पीढ़ी 30 साल तक एक लाख रुपये महीने निकाल सकती है। इसके बाद भी ये 3 करोड़ रुपये बढ़कर 30 करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुके होंगे। ऐसे ही अगली पीढ़ी भी इस रकम का इस्तेमाल कर सकेगी।

चक्रवृद्धि ब्याज का चलता है जादू

एसडब्ल्यूपी में चक्रवृद्धि ब्याज का जादू चलता है। जानकार कहते हैं कि म्यूचुअल फंड में लॉन्ग टर्म निवेश करने पर ज्यादा फायदा मिलने की उम्मीद होती है। ऐसे में कुल रकम मूल रकम से कहीं ज्यादा हो जाती है। ऊपर के उदाहरणों में हमने बताया है कि किस प्रकार एक करोड़ रुपये की रकम 30 करोड़ रुपये हो गई, वह भी तब जब उसमें से हर महीने कभी 50 हजार तो कभी एक लाख रुपये निकलते रहे। म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले किसी जानकार की सलाह जरूर लें।

वॉरेन बफे की ये 5 बातें बच्चों को जरूर सिखाएं, पैसों की कभी नहीं होगी तंगी

बच्चों को कारोबार शुरू करने में भी मिलेगी मदद, वित्तीय शिक्षा जल्दी शुरू करने के फायदों पर बफे का जोर

छोटी बचत से बढ़ती संपत्ति और स्मार्ट खर्च की आदतें विकसित करें

जानकारी | बिजनेस डेस्क

यह शो 26 एपिसोड तक चला। इसमें कुछ बच्चों की कहानी दिखाई गई जो पैसे के मामलों में बफे से सलाह लेते थे। साल 2013 में उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि बच्चों को पैसों के बारे में समझाना कभी भी जल्दी नहीं होता। चाहे वो नए खिलौने की कीमत समझना हो या पैसे बचाने का महत्व। यहां 5 ऐसी बातें दी गई हैं जिन्हें बफे ने अपने बच्चों को सिखाया था। आप भी अपने बच्चों को ये बातें सिखा सकते हैं।

वॉरेन बफे दुनिया के अमीर लोगों में शुमार हैं। उन्होंने धैर्य, स्मार्ट निवेश और आर्थिक अनुशासन के सिद्धांतों पर अपना भाग्य बनाया है। बफे सिर्फ अपने बिजनेस में ही कामयाब नहीं हैं, बल्कि बच्चों को पैसे के बारे में महत्वपूर्ण सबक सिखाने को भी प्राथमिकता देते हैं। साल 2011 में बफे ने सीक्रेट मिलिनेयर्स क्लब नामक एक एनिमेटेड सीरीज बनाने में मदद की। इसका उद्देश्य बच्चों को व्यवसाय, निवेश और वित्तीय साक्षरता की मूल बातें सिखाना था। यह शो 26 एपिसोड तक चला। इसमें कुछ बच्चों की कहानी दिखाई गई जो पैसे के मामलों में बफे से सलाह लेते थे। साल 2013 में उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा था कि बच्चों को पैसों के बारे में समझाना कभी भी जल्दी नहीं होता। चाहे वो नए खिलौने की कीमत समझना हो या पैसे बचाने का महत्व। यहां 5 ऐसी बातें दी गई हैं जिन्हें बफे ने अपने बच्चों को सिखाया था। आप भी अपने बच्चों को ये बातें सिखा सकते हैं।

जल्दी शुरुआत करें

बफे हमेशा कम उम्र से ही वित्तीय शिक्षा के महत्व पर जोर देते रहे हैं। साल 2013 में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, 'कभी-कभी माता-पिता अपने बच्चों के किशोरावस्था में पहुंचने पर ही पैसे का सही इस्तेमाल करने के बारे में बात करना शुरू करते हैं। जबकि वे प्री-स्कूल से ही शुरू कर सकते हैं।' कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी की एक स्टडी के मुताबिक बच्चे 7 साल की उम्र से ही पैसे से जुड़ी आदतें विकसित करने लगते हैं। कम उम्र में ही बच्चों को बचत, खर्च और कमाई जैसी बुनियादी बातें बताकर पेरेंट्स उन्हें दीर्घकालिक वित्तीय सफलता के लिए तैयार कर सकते हैं।

छोटी-छोटी बचत का भी महत्व

बफे सिखाते हैं कि ब्याज की शक्ति के कारण समय के साथ छोटी-छोटी बचत भी बढ़ सकती है। सीक्रेट मिलिनेयर्स क्लब में बफे ने कहा है कि नियमित रूप से थोड़े से पैसे बचाने से भी फायदा होता है। इस सबक को सिखाने का एक व्यावहारिक तरीका बच्चों को उनका अपना गुल्लक या बैंक अकाउंट देना है। पैरेंट्स ऐसे ऐप्स भी इस्तेमाल कर सकते हैं जिनसे बच्चे अपनी बचत पर नजर रख सकें और जमा राशि पर ब्याज भी कमा सकें।

स्मार्ट खर्च करने की आदत डालें

बच्चों को सबसे पहले यह सीखना चाहिए कि जरूरतों और चाहतों में अंतर कैसे करें। बफे एक आसान तरीका बताते हैं कि अपने बच्चों से उन चीजों की सूची बनाने को कहें जो वे खरीदना चाहते हैं। फिर, हर चीज को एक साथ देखें और तय करें कि यह जरूरी है या फिजूलखर्ची। यह आदत जल्दी डालने से माता-पिता अपने बच्चों को बड़े होने पर बेहतर खर्च करने की आदतें विकसित करने में मदद कर सकते हैं।

स्किल निखारकर संपत्ति बढ़ाएं

बफे खुद जीवन भर सीखते रहे। वह अक्सर सेल्फ स्टडी के महत्व पर जोर देते हैं। सीक्रेट मिलिनेयर्स क्लब के एक एपिसोड में उन्होंने कहा है कि सबसे अच्छा निवेश जो आप कर सकते हैं वह खुद में है। जितना अधिक आप सीखेंगे, उतना ही अधिक आप कमाएंगे। बफेट खुद रोजाना कई अखबार पढ़ते हैं और बच्चों को ज्ञान के प्रति जुनून विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। निरंतर सीखना लॉन्ग टर्म के लिए वित्तीय सफलता की कुंजी है। बफे ने सिर्फ छह साल की उम्र में च्यूइंग गम और कोक की बोतलें बेचकर पैसा कमाना शुरू कर दिया था। बच्चों को अपने खुद के बिजनेस आइडिया तलाशने के लिए प्रोत्साहित करें। फिर चाहे वह नींबू पानी का स्टॉल हो या ऑनलाइन स्टोर। इससे बच्चों को वित्तीय सिद्धांतों को जल्दी समझने में मदद मिलती है। पैरेंट्स मार्गदर्शन और यहां तक कि छोटा बिजनेस शुरू करने में मदद करने के लिए शुरुआती पैसा देकर बच्चों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

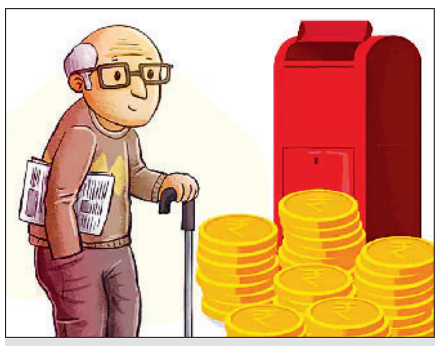

सीनियर सिटिजन्स सेविंग्स स्कीम में टैक्स छूट और बेहतर रिटर्न

बिजनेस डेस्क

वित्त वर्ष 2024-25 का आखिरी महीना यानी मार्च शुरू हो चुका है। इस महीने आपको कई जरूरी काम निपटाने हैं। इन्हीं कामों में से एक है वित्त वर्ष 2024-27 के लिए टैक्स सेविंग इन्वेस्टमेंट। ये इन्वेस्टमेंट आपको 31 मार्च 2024 तक करना है। अगर आप सीनियर सिटिजन हैं और सेफ इन्वेस्टमेंट के साथ टैक्स भी बचाना चाहते हैं तो पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटिजंस सेविंग्स स्कीम अकाउंट (एससीएसएस) में पैसा लगा सकते हैं। इस स्कीम में अभी 8.20% सालाना ब्याज दिया जा रहा है। इस योजना में निवेश कर आप टैक्स भी बचा सकते हैं और अच्छा रिटर्न भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए इसमें निवेश करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है।

अधिकतम 30 लाख रुपये कर सकते हैं निवेश

पोस्ट ऑफिस सीनियर सिटिजंस सेविंग्स स्कीम के तहत सिर्फ 1000 रुपये में अकाउंट खोला जा सकता है। इस स्कीम में ज्यादा से ज्यादा 30 लाख रुपये तक निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम पर 8.2% सालाना ब्याज मिल रहा है। वहीं देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई 5 साल की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) पर सीनियर सिटिजंस को 6.50% ब्याज दे रहा है। यानी इस स्कीम में एफडी से ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है।

5 साल का मैच्योरिटी पीरियड

इस स्कीम का मैच्योरिटी पीरियड 5 साल का रहता है। यानी इस स्कीम में आपको 5 साल के लिए निवेश करना होता। हालांकि आप 5 साल से पहले भी अकाउंट बंद कर सकते हैं, लेकिन ऐसा करने पर आपको पेनल्टी देनी होती है।

इनकम टैक्स छूट का मिलता है लाभ

इस योजना में निवेश करने पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत आप अपनी कुल आय से 1.5 लाख रुपये की कटौती का दावा कर सकते हैं। आसान भाषा में इसे ऐसे समझें, आप सेक्शन 80C के माध्यम से अपनी कुल कर योग्य आय से 1.5 लाख तक कम कर सकते हैं।

तिमाही आधार पर मिलता है ब्याज

इस योजना के तहत ब्याज तिमाही आधार पर मिलता है और अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर व जनवरी के पहले वर्किंग डे को क्रेडिट कर दिया जाता है। सीनियर सिटीजन्स सेविंग्स स्कीम अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस में खुलवा सकते हैं। 60 साल या उससे अधिक उम्र के बाद अकाउंट पोस्ट ऑफिस जाकर खुलवाया जा सकता है। हालांकि वीआरएस लेने वाला व्यक्ति जो 55 वर्ष से अधिक लेकिन 60 वर्ष से कम है वो भी इस अकाउंट को खोल सकता है। इसके अलावा डिफेंस (रक्षा विभाग) से रिटायर्ड हुए हो वो 50 साल से अधिक और 60 वर्ष से कम उम्र के लोग भी इस योजना में निवेश कर सकते हैं। हालांकि इस स्थिति में रिटायर होने के 1 महीने के भीतर निवेश करना होता है।

कितना फायदा होगा

अगर आप इस योजना में 1 लाख रुपये निवेश करते हैं तो 5 साल बाद आपको कुल 1 लाख 50 हजार रुपए मिलेंगे। वहीं 2 लाख रुपये का निवेश करने पर 3 लाख रुपये मिलेंगे।

फरवरी में घटे म्यूचुअल फंड में निवेश, जनवरी के मुकाबले 2% की गिरावट

काम की बात | बिजनेस डेस्क

- म्यूचुअल फंड एसआईपी में पैसा लगाने वालों की संख्या घटी, फरवरी में एसआईपी में 25,999 करोड़ रुपये आए
- यह पिछले तीन महीनों में सबसे कम

शेयर बाजार में पिछले कुछ महीनों से लगातार गिरावट ही गिरावट का दौर जारी है। इससे सभी निवेश माइनस में हैं। इससे सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान या एसआईपी के जरिए निवेश करने वालों की संख्या में भी कमी हुई है। जी हां, बीते फरवरी महीने में एसआईपी के जरिए निवेश थोड़ा कम हुआ है। इस साल जनवरी में जहां एसआईपी के जरिए 26,400 करोड़ रुपये का निवेश आया था, वहीं फरवरी में यह घटकर 25,999 करोड़ रुपये रह गया। यह तीन महीने का सबसे कम है। दिसंबर में भी इस तरीके से 26,459 करोड़ रुपये का निवेश आया था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया या एम्फी के आंकड़ों से मिली है।

एम्फी के आंकड़ों में हुआ खुलासा, कम दिलचस्पी दिखा रहे निवेशक

म्यूचुअल फंड के कितने फोलियो

फरवरी 2025 तक म्यूचुअल फंड के कुल फोलियो या खाते 23,22,80,804 हो गए हैं। रिटेल म्यूचुअल फंड खातों (इक्विटी + हाइब्रिड + सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम्स) की संख्या फरवरी में बढ़कर 18,42,02,267 हो गई, जो जनवरी में 18,22,23,078 थी। रिटेल एयूएम (इक्विटी + हाइब्रिड + सॉल्यूशन-ओरिएंटेड स्कीम्स) फरवरी में घटकर 36,44,112 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी में यह 38,77,595 करोड़ रुपये था। मतलब बाजार में उतार-चढ़ाव का असर दिखा है।

फरवरी में भी बढ़े सिप अकाउंट

फरवरी 2025 में 44,56,425 नए एसआईपी रजिस्टर हुए। इस महीने एसआईपी का कुल एयूएम 12,37,783.57 करोड़ रुपये रहा। इसमें 8.26 करोड़ एसआईपी खाते नियमित रूप से योगदान दे रहे थे। फरवरी 2025 में 29 नई स्कीम्स लॉन्च हुईं, जिनसे कुल मिलाकर 4,029 करोड़ रुपये जुटाए गए। ये स्कीम्स अलग-अलग कैटेगरी की थीं।

म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में मजबूती

एम्फी के चीफ एक्जीक्यूटिव वेंकट चलसानी ने बताया, भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री लगातार मजबूती दिखा रही है। सभी कैटेगरी में निवेशक लगातार पैसा लगा रहे हैं। उनका कहना है ₹बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद, निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। 40,063 करोड़ रुपये का नेट इनफ्लो इस बात का सबूत है कि निवेशक लंबी अवधि के लिए निवेश करने में यकीन रखते हैं।

फरवरी में एयूएम में क्यों हुई गिरावट

उन्होंने बताया कि जनवरी से फरवरी में एयूएम में गिरावट की मुख्य वजह इक्विटी फंड में मार्केट का उतार-चढ़ाव है। लेकिन एसआईपी में निवेश लगातार आ रहा है, जिससे पता चलता है कि लोग अब भी नियमित निवेश को तरजीह दे रहे हैं। चलसानी ने निवेशकों को शिक्षित करने और जागरूकता फैलाने के लिए एम्फी की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने हर तरह के बाजार में वित्तीय अनुशासन के महत्व पर जोर दिया।

नेट इनफ्लो में गिरावट

फरवरी महीने के दौरान म्यूचुअल फंड में कुल नेट इनफ्लो 79% गिर गया। इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 26% घटकर 29,303 करोड़ रुपये रह गया, जबकि जनवरी में यह 39,687 करोड़ रुपये था। डेट म्यूचुअल फंड में फरवरी में 6,525 करोड़ रुपये का आउटफ्लो हुआ, जबकि जनवरी में 1.28 लाख करोड़ रुपये का इनफ्लो हुआ था।

क्या है म्यूचुअल फंड

म्यूचुअल फंड की परिभाषा एक ऐसा निवेश है जो आपके पैसे को कई अन्य लोगों के पैसे के साथ जोड़ता है जो समान निवेश लक्ष्य साझा करते हैं। पेशेवर मनी मैनेजर्स पैसे के पूल का उपयोग सिक्योरिटीज खरीदने के लिए करते हैं जो म्यूचुअल फंड के निर्दिष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। म्यूचुअल फंड एक उपयुक्त रिटायरमेंट निवेश हो सकता है क्योंकि वे पेशेवर प्रबंधन और विविधीकरण प्रदान करते हैं। वे एफडीआईसी बीमाकृत नहीं हैं और उनमें निवेश जोखिम शामिल हैं, जिसमें मूलधन की संभावित हानि और मूल्य में उतार-चढ़ाव शामिल है।

म्यूचुअल फंड के प्रकार

इक्विटी (स्टॉक) फंड : ये वे फंड हैं जो सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनियों के कॉर्पोरेट स्टॉक में निवेश किए जाते हैं। इन फंडों को कंपनी के आकार, उद्योग या क्षेत्र के प्रकार या संभावित विकास और मूल्य सहित विभिन्न घटकों के आधार पर वर्गीकृत किया जा सकता है।

बॉन्ड फंड : ये ऋण साधनों से बने होते हैं जिन्हें सरकार या निगम निवेशकों को पूंजी जुटाने के लिए जारी करते हैं। वे अक्सर स्टॉक फंड की तुलना में कम जोखिम उठाते हैं। हालांकि, उनमें वृद्धि की संभावना कम हो सकती है।

मनी मार्केट फंड : इस प्रकार के म्यूचुअल फंड सरकार या निगमों जैसी संस्थाओं से नकदी या नकदी-समतुल्य अल्पकालिक ऋण में निवेश करते हैं। मनी मार्केट फंड को आम तौर पर कम जोखिम वाला निवेश माना जाता है।

हाइब्रिड फंड : हाइब्रिड फंड में कम से कम दो या उससे ज़्यादा एसेट क्लास शामिल होते हैं - आम तौर पर स्टॉक और बॉन्ड का मिश्रण। हाइब्रिड फंड के सबसे लोकप्रिय रूपों में से एक को बैलेंस्ड फंड कहा जाता है, जो एक प्रकार का पोर्टफोलियो है जो 60% स्टॉक में और 40% बॉन्ड में निवेश करता है।

खबर संक्षेप

अवैध खनन रोकने के लिए फोर्स करेगी मंथन

हिसार। उपायुक्त अनीश यादव के निर्देशों पर खनन विभाग लगातार अवैध खनन रोकने की दिशा में काम कर रहा है। इसी कड़ी में उपायुक्त अनीश यादव 18 मार्च को जिलास्तरीय टास्क फोर्स कमेटी की बैठक लेंगे। जिला खनन अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि बैठक में अवैध खनन मामलों को रोकने के लिए किस प्रकार की ठोस रणनीति की जरूरत रहेगी तथा विभाग द्वारा इस दिशा में अब तक की गई प्रगति रिपोर्ट भी उपायुक्त के समक्ष रखी जाएगी। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अनीश यादव करेंगे।

हादसों पर अंकुश के लिए 18 को होगी मंत्रणा

हिसार। जिलास्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक 18 मार्च को होगी। बैठक का उद्देश्य जिला में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना रहता है। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण सचिव संजय बिश्नोई ने बताया कि जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अनीश यादव करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में हिसार और हांसी के पुलिस अधीक्षक भी मौजूद रहेंगे।

दिव्यांग केंद्र में फ्री नेत्र ऑपरेशन शिविर 18 को

हिसार। भारत विकास परिषद की विवेकानंद शाखा द्वारा संचालित दिव्यांग पुनर्वास एवं स्वास्थ्य केंद्र में 18 मार्च को सेवार्थ भाव से शिविर आयोजित किया जाएगा। दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के अध्यक्ष सुरेंद्र कुच्छल, सचिव एडवोकेट राजेश जैन व प्रोजेक्ट हेड रामनिवास अग्रवाल ने बताया कि इस शिविर में जरूरतमंद लोगों की आंखों के सफेद मोतियाबिंद के निशुल्क ऑपरेशन अनुभवी व प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा किए जाएंगे। दिव्यांग केंद्र में यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है कि किसी भी कार्यदिवस में निशुल्क नेत्र ऑपरेशन के लिए बिना कोई शुल्क दिए रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है।

लायंस क्लब का नेत्र जांच शिविर आज

हांसी। लायन्स क्लब, हांसी की ओर से आमटी तालाब रोड़ स्थित लायन सेवा सदन में मंगलवार को लायन प्रेम वर्मा के सौजन्य से निःशुल्क सफेद मोतियाबिंद आप्रेशन व सामान्य बिमारियों का नेत्र चिकित्सा शिविर वेणु आई हस्पताल, नई दिल्ली के सहयोग से प्रातः 8.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक लगाया जाएगा। इसमें आंखों की सामान्य बिमारियों की जांच के उपरान्त दवाइयां मुफ्त दी जाएगी एवं सफेद मोतियाबिंद रोगियों को आप्रेशन के लिए दिल्ली ले जाया जाएगा। मरीजों को दिल्ली तक ले जाने व लाने, दवाई व बिस्तर की मुफ्त सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी।

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

हिसार। बालसमंद चौकी पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक आरोपी गांव रावलवास कलां निवासी विकास को गिरफ्तार किया है। चौकी प्रभारी उप निरीक्षक संस्करण ने बताया कि बालसमंद पुलिस चौकी में राजस्थान के हनुमानगढ़ निवासी भगत सिंह ने 4 फरवरी 2024 को गांव रावलवास बस स्टेंड से मोटरसाइकिल चोरी होने के बारे में शिकायत दी थी। पुलिस ने उपरोक्त आरोपी विकास को गिरफ्तार कर चोरीशुदा मोटरसाइकिल बरामद की है।

अनुसंधान अधिकारियों को निष्पक्ष कार्रवाई के निर्देश

झूठी शिकायत करने वाले के खिलाफ करें कार्रवाई: मीणा

पुलिस अधीक्षक हांसी ने अनुसंधानकर्ता अधिकारियों के साथ की गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। शहर थाना में आयोजित अपराध समीक्षा गोष्ठी को संबोधित करते पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र कुमार मीणा।

पुलिस अधीक्षक हांसी हेमेंद्र कुमार मीणा ने शनिवार को शहर थाना हांसी में अपराध समीक्षा के संबंध में गोष्ठी का आयोजन किया।

अपराध समीक्षा गोष्ठी के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस अधिकारियों को थाने में आने वाले हर व्यक्ति की सुनवाई करते हुए उसकी शिकायत पर तुरंत तत्परता से कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि झूठी शिकायत किए जाने पर शिकायतकर्ता के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने अपराधिक आंकड़ों की तुलनात्मक समीक्षा करते हुए पुलिस उप अधीक्षक हांसी और सभी थाना प्रभारियों के साथ विस्तृत विचार विमर्श किया। जिनमें तुलनात्मक आपराधिक आंकड़ों के साथ-साथ स्थानीय एवं विशेष प्रावधानों के तहत आपराधिक गतिविधियों की रोकथाम करना, लंबित अभियोगों में त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका जल्द से जल्द निपटारा, उद्घोषित अपराधी, बेल जंपर, मोस्ट वांटेड तथा अपराधियो की धरपकड़ के लिए की गई कार्यवाही, मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त दोषियों की संपत्ति को अटैच करने की कार्रवाई, दर्ज मामलों के जांच पड़ताल की कार्रवाई, मादक एवं नशीले पदार्थों, जुआ सट्टा, अवैध शराब की तस्करी तथा अवैध हथियारों को पकड़ने के लिए की गई कार्यवाही की समीक्षा, क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था के हालात की समीक्षा, अपराध की दृष्टि से संवेदनशील एरिया में पुलिस की मौजूदगी एवं निगरानी इत्यादि विषयों की समीक्षा करते हुए विस्तार पूर्वक चर्चा की।

शिकायतों को पोर्टल पर करें अपलोड

प्रबंधक थाना व चौकी इंचार्ज को निर्देश दिए हैं कि थाने में आने वाली सभी शिकायतों को सीसीटीएनएस पोर्टल पर अपलोड कर शिकायकर्ता को उसकी रसीद प्रदान करें और सभी शिकायतों का समयबद्ध निदान करे। 48 घंटे में पीड़ित का कथन अंकित करना सुनिश्चित करें और 72 घंटे में रुका के संदर्भ में एफआईआर, निवारण कार्रवाई, राजीनामा, या कथन में वर्णित हालात संदेह जनक होने पर हालात सत्यापित करके निपटारा करें। इस अवसर पर डीएसपी हांसी रवींद्र सांगवान, सदर थाना प्रबंधक प्रशिक्षु डीएसपी सिद्धार्थ बिश्नोई, शहर थाना प्रबंधक इंस्पेक्टर सदानंद शर्मा सहित प्रवाचक पुलिस अधीक्षक, सभी चौकी इंचार्ज तथा शहर व सदर थाना के सभी अनुसंधानकर्ता अधिकारी मौजूद रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग सदस्यों ने खेली होली

- ज्ञानानंद मिशन में धूमधाम से मनाया होली का त्योहार
- स्वामी लोकेश्वरानंद ने भक्तों को सत्यनारायण की कथा सुनाई

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। ज्ञानानंद मिशन में होली पर्व मनाते स्वामी लोकेश्वरानंद व आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

आर्ट ऑफ लिविंग ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी होली का त्योहार राजमार्ग स्थित ज्ञानानंद मिशन में धूमधाम और अलग ढंग से मनाया। जहां सबसे पहले आर्ट ऑफ लिविंग के सदस्यों ने मिशन पहुंचे भक्तों के साथ स्वामी लोकेश्वरानंद के सान्निध्य में रुद्राभिषेक किया। स्वामी जी ने सबको सत्यनारायण की कथा सुनाई और उसके महत्व का वर्णन किया। आरती के पश्चात उपस्थित सदस्यों ने भजन गाए, सत्संग किया। इसके बाद स्वामी जी के साथ ही टीम के सदस्यों व अन्य भक्तों ने होली खेली। सबने एक दूसरे को खूब रंग लगाया। आर्ट ऑफ लिविंग के फैकल्टी मेंबर व सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर माधव गोयल ने ढोल की थाप पर सबको झूमने गाने के लिए विवश कर दिया। इस अवसर पर सीनियर फैकल्टी संदीप गोयल, शंकर गोयल, कृष्ण गर्ग, ऊषा गर्ग, सुमिता, राजकुमार वासुदेव, चीनू, लता गोयल, वसुंधरा, हरिप्रिया, वीणा गोयल आदि उपस्थित थे।

विस अध्यक्ष हरविंदर का स्वागत

- पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के निवास पर पहुंचे विस अध्यक्ष हरविंदर कल्याण

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण का स्वागत करते पूर्व मंत्री डॉ. कमल गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण, पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता के मलिक चौक स्थित आवास पर पहुँचे। डॉ. कमल गुप्ता ने उन्हें पुष्प गुच्छ व शाल ओढ़ा कर स्वागत किया। यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला महामंत्री संजीव रेवड़ी, विधान सभा संयोजक रामचंदर गुप्ता, मीडिया प्रभारी सुरेश गोयल धूप वाला, प्रदेश संयोजक प्रवीण जैन, लोकेश असीजा, दीपक अग्रवाल, राहुल सैनी, विकास जैन, सतीश सुरलिया, गगन शर्मा, रामफल बुरा व विजय नागपाल आदि उपस्थित रहे।

थोड़ी सी बरसात से आदमपुर की सड़कें बन गई दलदल

- दलदल के मार्ग से लोगों का पैदल चलना भी दूभर हो गया
- सीवरेज की पाइप लाइनें डालने के लिए तोड़ी गई थी सड़कें

हरिभूमि न्यूज ⏭मंडी आदमपुर

मंडी आदमपुर। हल्की बारिश के बाद अनाज मंडी मार्ग की खस्ता हालत।

शुक्रवार को हुई थोड़ी सी बरसात से ही मुख्य मार्ग दलदल बन गए हैं जिसके चलते दुर्घटनाएं हो रही है तथा पैदल चलना भी दूभर हो गया है। बस स्टैंड से अनाज मंडी रोड, क्रांति चौक, बाइपास रोड से तहसील, बीडीपीओ, टेल मंदिर रोड, जवाहर नगर लाइन पार दलदल बनने से आवागमन में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सीवरेज पानी की पाइप लाइनें डालने के लिए एक वर्ष पूर्व सड़कें तोड़ी गई थी तब से सड़कें ज्यो की त्यों है। सड़कों का पुननिर्माण नहीं किया गया।

दयानंद महत्ता बने भाविप हांसी के प्रधान

- भाविप ने किया होली मिलन समारोह व कार्यकारिणी का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। भारत विकास परिषद के नवनियुक्त सदस्यों का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत करते सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भारत विकास परिषद शाखा हांसी द्वारा बृहस्पतिवार को जींद चौक स्थित सुभाष ड्रामैटिक क्लब में परिवार सहित होली मिलन समारोह का आयोजन किया और इस दौरान शाखा की नई कार्यकारिणी का चुनाव भी किया गया।

समारोह की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश गर्ग ने की और चुनाव पर्यवेक्षक के तौर पर प्रांतीय संयोजक भारत को जानो के प्रांतीय संयोजक हुक्म चन्द गोयल उपस्थित थे। बैठक में परिषद के आगामी कार्यकाल के लिए पदाधिकारियों का चयन किया गया। नई कार्यकारिणी में दयानंद महता को अध्यक्ष, श्रीचंद आहूजा को सचिव, प्रमोद धमीजा को कोषाध्यक्ष और पूनम मनचन्दा को महिला प्रमुख की जिम्मेवारी दी गई। समारोह में मंच संचालन सुभाष गर्ग द्वारा किया गया वहीं पार्श्व गायक विनोद गोल्डी की टीम ने होली के गीतों पर बहुत ही शानदार डांस किया। इस अवसर पर कृष्ण यादव, हरीश गावड़ी, जगदीश धमीजा, प्रमोद ठकराल, दिलबाग वर्मा, रामअवतार सिंह, डा. विरेंद्र आहुजा, सुरेन्द्र गोयल,डॉ रणजीत सिंह सैनी, संजय सिधर, रमेश अरोड़ा, राजकुमार मनचन्दा, सतवीर कौशिक, डॉ राकेश भरद्वाज, शशी बलेचा आदि सदस्य उपस्थित थे।

हुड़दंग करने वालों के काटे गए चालान

सिरसा। होली पर हुड़दंगियों के खिलाफ यातायात पुलिस सख्त नजर आई। यातायात पुलिस प्रभारी शमशेर सिंह अपनी पूरी टीम के साथ शहर की सडक़ों पर पूरे सक्रिय रहे। शमशेर सिंह ने होली के पर्व पर सुबह सवेरे ही शहर के विभिन्न भागों में राउंड लेना शुरू कर दिया था। इस दौरान जहां उन्होंने शहर के विभिन्न बाजारों में लोगों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी। वहीं उन्होंने अपने यातायात थाने के समक्ष भी आमजन को प्यार से रंग भी लगाया और उन्हें तिलक होली व फूलों से होली खेलने के लिए प्रोत्साहित भी किया। जिला यातायात प्रभारी ने इस अवसर पर लोगों को शांति से होली उत्सव मनाने व यातायात नियमों की परिपालना करने का आह्वान किया।

मुकेश बंसल प्रधान व दीपक गौतम बने सचिव

- भारत विकास परिषद केशव शाखा की नई कार्यकिरिणी गठित

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

मुकेश बंसल

दीपक गौतम

मुकुल मित्तल

सविता जैन

भारत विकास परिषद् केशव शाखा के द्वारा पारिवारिक रंगोत्सव का भव्य आयोजन श्री देवी भवन मन्दिर के प्रांगण में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाविप हरियाणा पश्चिम प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश गर्ग द्वारा की गई। चुनाव पर्यवेक्षक के रूप में जयंती एवं बलिदान के प्रातीय संयोजक जगदीश धमीजा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत, परंपरा अनुसार मां भारती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि के द्वारा की गई। स्नेह और वात्सल्य भाव से सराबोर राधा रानी और कृष्ण रूप सज्जा में आए कलाकारों द्वारा सारे रंगोत्सव कार्यक्रम को पुष्प वर्षा द्वारा एवम् गुलाल के रंगों द्वारा प्रेम रंग में रंग दिया।

कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष कमलेश गर्ग की अध्यक्षता में शाखा की नई कार्यकारिणी का चयन वित वर्ष 2025-26 के लिए सर्वसम्मति से निर्विरोध किया गया, जिसमें मुकेश बंसल को शाखा अध्यक्ष, दीपक गौतम को सचिव, मुकुल मित्तल सीए को कोषाध्यक्ष एवम् सविता जैन को शाखा महिला संयोजिका का दायित्व सौंपा गया है।

शाखा परिवार के इस रंगारंग सांस्कृतिक पारिवारिक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेष गरिमामई उपस्थिति बतौर अति विशिष्ट अतिथि नवनिर्वाचित मेयर प्रवीण पोपली, हकृवि कुलपति डॉ. बलदेव राज कांबोज,लुवास कुलपति नरेश जिंदल, राज्य सूचना आयुक्त डॉ.जगबीर सिंह एवं हांसी एसडीएम राजेश खोथ की रही।

श्री शीतला माता मंदिर में लगेगा सप्तमी मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

- राहुल सैनी को बनाया पांच दिवसीय मेले का संयोजक

प्राचीन श्री शीतला माता मंदिर में 17 मार्च से 21 मार्च तक आयोजित होने वाले 5 दिवसीय मेले को लेकर श्री शीतला माता चैरिटेबल ट्रस्ट की बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के प्रधान मुकेश कुमार मोनू ने बताया कि यह प्राचीन मंदिर लगभग 350 वर्ष पुराना है।

इस बार यह 5 दिवसीय मेला के लिए राहुल सैनी को मेला संयोजक, प्रदीप दीपा सैनी को सह संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है। मेले के पश्चात 23 मार्च को हवन व विशाल भंडारा का आयोजन किया जाएगा। भंडारा संयोजक अमित सैनी व सह संयोजक रमेश सैनी को नियुक्त किया गया है। इस मौके पर सैनी सभा के प्रधान रामअवतार सैनी, शांति नगर वेलफेयर सोसायटी प्रधान रमेश चंद्र सैनी, आकार वेलफेयर सोसायटी के प्रधान सुमित सैनी, अमित खंडेलवाल, रवि बागड़ी, रवि जमालपुरिया, श्री श्याम आराधना समिति से चानण शर्मा, सर्व कल्याण सेवा समिति से सुंदर लाल सैनी, मंजीत वर्मा, रमेश शर्मा, विनोद गिरणा, अनिल कटारिया, प्रीतम खोवाल, अमित माईजीवाला, सन्नी आदि गणमान्य उपस्थित थे।

रंगों और फूलों की होली खेली

- पूर्व एसडीएम के आवास पर हुआ होली महोत्सव कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

हांसी। एचसीएस जितेंद्र अहलावत के आवास पर होली पर्व मनाते एसडीएम मोहित महराणा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

हांसी के पूर्व व कनीना के एसडीएम डॉ. जितेंद्र अहलावत के आवास पर होली महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान नारनौंद के एसडीएम मोहित महराणा व जनस्वास्थ्य विभाग की कार्यकारी अभियंता कंचन महराणा सहित शहर के विभिन्न संगठनों के सदस्य मौजूद रहे। होली महोत्सव का आयोजन एसडीएम डॉ. जितेंद्र अहलावत की धर्मपत्नी ज्योति अहलावत द्वारा आयोजित किया गया था। होली महोत्सव में भारी संख्या में महिलाओं ने फूलों की होली खेली। इस दौरान एसडीएम डॉ. जितेंद्र अहलावत व मोहित महराणा ने रंगो का त्यौहार होली की लोगों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भारत भूषण भ्याना, देवेंद्र महता, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन रापड़िया, हरीश जैन, डॉक्टर अनिल भारद्वाज, डॉक्टर राकेश, मास्टर अनिल कुमार, मास्टर सतीश जालंधरा, बजरंग जैन आदि ने होली महोत्सव का आनंद लिया।

प्रयागगिरि शिवालय मन्दिर में फूलों की होली व भजन समरोह

होली उमंग और आपसी भाईचारे का प्रतीक : गर्ग

- जीवन में सकारात्मकता लाता है रंगों का त्योहार होली

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार। भक्तों को संबोधित करते पीजीएसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल कार्यकारी अध्यक्ष व व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा श्री प्रयागगिरि शिवालय मन्दिर में होली के पावन पर्व पर भव्य फूलों की होली व भजन समरोह का आयोजन संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष व व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुआ।

इसमें भारी संख्या में शहर की संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्था के कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने उपस्थित नागरिकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि होली का त्योहार पर देश व प्रदेश वासी गिले शिकवे दूर करके फूल व रंगों के साथ मनाते है। होली में रंग रिश्तों में मिठास व खुशी और जीवन में सकारात्मकता लाता है। होली भारत देश में एक प्रमुख पवित्र रंगारंग त्योहार है। होली का त्योहार उमंग, उल्लास और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। बजरंग गर्ग ने कहा कि होली का त्योहार अग्रवाल संगठन, अग्रोहा धाम, देवी भवन मंदिर, व्यापार मंडल, स्माईल क्लब, आटो मार्केट, पीजीएसडी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में रंग और फूलों के साथ भव्य रूप से मनाई गई।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर अनाज मंडी जिला प्रधान पवन गर्ग, भारत विकास परिषद के प्रधान ऋषि राज गर्ग, अनाज मंडी मन्दिर प्रधान अशोक गुप्ता, श्याम मंडल प्रधान सुरेंद्र बागड़ी, सर्वकार संघ के जिला प्रधान रामनिवास सोनी, स्कूल प्रिंसिपल सतेंद्र गोयल, सचिव सुरेंद्र सिंगला, सह सचिव ओम प्रकाश असीजा, राम अवतार सिंगला, रोशन लाल गोयल, अनुप गुप्ता, रमेश पटवारी, जगदीश प्रधान, सत्यपाल असीजा, कृष्ण चन्द्र बागड़ी, पूर्व पार्षद मनोहर लाल नगरू आदि प्रतिनिधि भजनों पर काफी देर तक झूमते हुए फूलों की होली खेली।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य आएंगी हिसार

हिसार। राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी तथा हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया तीन दिनों के लिए हिसार आ रही है। इस दौरान वो जन सुनवाई भी करेंगी। नगराधीश हरिराम ने बताया कि उनका दौरा 18 मार्च से प्रस्तवित है। उन्होंने बताया कि महिलाओं से जुड़े मामलों तथा शिकायतों के समाधान के लिए हिसार में जन सुनवाई का आयोजन किया जाएगा। इसी के तहत राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी 18,19 और 20 मार्च को हिसार में होंगी।

अवैध देशी शराब की 24 बोतल के साथ एक काबू

हांसी। शहर थाना पुलिस ने 24 बोतल अवैध देशी शराब सहित बिहार के बहादुरपुर निवासी मनोज को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार शहर थाना पुलिस ने गश्त पड़ताल दौरान नजदीक आमटी तालाब के पास एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोक कर उसकी तलाशी ली तो उसके पास से अवैध देशी शराब 24 बोतल बरामद हुई।

किया पारिवारिक होली मिलन समारोह

हिसार। ध्यान सत्संग सभा के तत्वाधान में होली पर्व के उपलक्ष्य में देवी भवन कॉलोनी में संस्था के अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में पारिवारिक होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सैंकड़ों साधकों ने परिवार सहित भाग लिया। अनेक साधकों व बच्चों ने चुटकुले, कविताएं व गीत सुनाकर पर्व का आनंद लिया। इस अवसर पर रवि प्रकाश कौशिक सुनील मेहता, पवन गोयल, गुरचरण लाल, दयानंद, सीमा, सरोज, विशाल शर्मा, सतीश कुमार, शारदा देवी, अनिता गंभीर, ईशा उपस्थित रहे।

28 को मथुरा-वृंदावन पारिवारिक बस यात्रा

मंडी आदमपुर। आदमपुर, फतेहाबाद व हिसार के भक्तों के लिए 28 मार्च को चार दिवसीय मथुरा-वृंदावन पारिवारिक बस यात्रा का आयोजन किया जाएगा। श्री खाटू श्याम सालासर बालाजी सेवा समिति के अध्यक्ष अमित गोयल व मुकेश गोयल ने बताया कि यात्रा में श्रद्धालु मथुरा-वृंदावन के मंदिरों के अलावा गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव व कोकिलावन में शनि मंदिर के दर्शन करेंगे।

भामाशाह नगर पार्क में हुई अनेक प्रतियोगिताएं

हिसार। भामाशाह नगर वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से भामाशाह नगर के पार्क में होली परिवार मिलन समारोह आयोजित किया गया जिसमें तंबोला, म्यूजिक, डांस आदि 11 प्रोग्राम किए गए। विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। समिति के प्रधान सत्य काम आर्य ने बताया कि लगभग 4 घंटे चले इस प्रोग्राम में 200 से अधिक क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

श्री श्याम मंदिर बरवाला में होली धमाल महोत्सव

बरवाला। श्री श्याम मंदिर बरवाला में होली धमाल महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के प्रवक्ता अनूप गोयल ने बताया कि श्री श्याम मंदिर बरवाला को फूलो गुब्बारों व सुंदर लाइटिंग से सजाया गया और श्री श्याम बाबा के भजनों व झांकियों के साथ बाबा श्याम के दरबार में भक्तों द्वारा फूलों की होली बड़ी ही धूमधाम से खेली गई।

भारत माता मंदिर में भागवत कथा आज से

हिसार। भारत माता मंदिर में 16 मार्च से शुरू होने वाली श्रीमदभागवत कथा की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह श्रीमदभागवत कथा समाजसेवी स्व. चौ. फतेहचंद व स्व. माता हरबंस कौर एवं स्व. विजय शर्मा की स्मृति में आयोजित की जा रही है। मंदिर के संरक्षक अनिल महत्ता ने बताया कि 22 मार्च तक वृंदावन के प्रसिद्ध कथा व्यास आचार्य पंडित कृष्ण शरण शास्त्री जी श्रीमद्भागवत कथा करेंगे।

सीवरेज सुचारू रहे तथा बारिश के लिए बने ड्रेन समय रहते करें साफ

अधिकारी बारिश में जलभराव से निपटने की तैयारियां में जुटें: डीसी

पीने के पानी की व्यवस्था पुख्ता तरीके से करने के निर्देश।

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

आने वाले दिनों में जब बारिश का दौर शुरू होगा, उस दौरान किसी भी इलाके में जलभराव नहीं होना चाहिए। इसके लिए संबंधित अधिकारी अभी से ही तैयारी में जुट जाएं। सीवरेज तथा बारिश के लिए बने ड्रेनेज क्लीन होने चाहिए। सीवरेज में किसी प्रकार की ब्लॉकेज न हो, इसके साथ ही एसटीपी में भी व्यवस्था ठीक हो। ये निर्देश उपायुक्त अनीश यादव ने शनिवार को लघु सचिवालय स्थित वीडियो सभागार में जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को दिए। बैठक के दौरान जिला के सभी एसडीएम भी उपस्थित थे। बैठक से पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा राज्य सूखा, राहत एवं बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की 56वीं बैठक को संबोधित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि गर्मियों के मद्देनजर पीने के पानी की व्यवस्था पुख्ता तरीके से कर ली जाएं, साथ ही जलभराव से निपटने के लिए भी जिला में पुख्ता तैयारी रखें। बैठक में वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए उपायुक्त अनीश यादव तथा जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारी भी कनेक्ट हुए। उपायुक्त अनीश यादव ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष हिसार में इस बाबत की गई व्यवस्था का ब्यौरा भी दिया। हिसार के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उपायुक्त अनीश यादव ने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों एरिया में जहां जहां जलभराव की दिक्कते हैं, उन्हें प्राथमिकता पर हल करें। बारिश के दिनों में किसी प्रकार के जलभराव की दिक्कत ना हो। इसके लिए जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग तथा सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग आपस में तालमेल के साथ काम करें। अगर किसी एरिया में सीवरेज ब्लॉक होने की दिक्कत हैं तो उस दिशा में भी व्यवस्था कर लें। बैठक के दौरान बरवाला एसडीएम डॉ वेदप्रकाश बेनिवाल, हांसी एसडीएम राजेश खोथ, हिसार एसडीएम ज्योति मित्तल, नारनौंद एसडीएम मोहित मेहराणा, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसई आरके शर्मा, एक्सईन शशिकांत, एसके त्यागी,सिंचाई विभाग के एसई विमल कुमार, तकनीकी विंग के एक्सईन लोकपाल सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

हिसार। बैठक में मौजूद उपायुक्त अनीश यादव और अन्य अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

सीवरेज व्यवस्था का करेंगे औचक निरीक्षण

उपायुक्त अनीश यादव ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसई आरके शर्मा से जिला में सीवरेज संबंधित प्रोजेक्ट्स बारे भी रिव्यू किया। उन्होंने सीवरेज व्यवस्था को सुचारू रखने तथा साफ सफाई के लिए इस्तेमाल होने वाली मशीन बारे भी पूछा। उन्होंने कहा कि जिला में सीवरेज की व्यवस्था बेहतर होनी चाहिए। ब्लॉकेज की जहां जहां दिक्कत हैं, उन्हें पिन प्वाइंट करते हुए उसे हल करें। उपायुक्त ने कहा कि वह सीवरेज व्यवस्था का औचक निरीक्षण भी करेंगे।

इन एरिया पर फोक्स के खास निर्देश

उपायुक्त अनीश यादव ने दोनों विभागों के अधिकारियों को खास निर्देश देते हुए कहा कि सेम प्रभावित इलाके के लिए भी खास योजना बनाने की जरूरत है। नहरों की सफाई, ड्रेन इत्यादि की सफाई पर भी फोकस किया जाएं। उपायुक्त अनीश यादव ने हिसार शहरी इलाके लिए हिसार की ऑटो मार्केट, बरवाला बाईपास, सर छोटू राम चौक, जिंदल चौक सहित अलग-अलग इलाकों से बारिश के पानी की निकासी में लगने वाले समय पर बात करते हुए कहा कि यहां की व्यवस्थाएं बेहतर की जाएं।

हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते सांस्कृतिक प्रमोटर सजल जैन, फैजलपुरिया, अक्षय मलिक व अन्य। फोटो: हरिभूमि

इलेक्ट्रो डांस भजन में होगा भक्ति और संगीत का अनोखा संगम

- आधुनिक जीवनशैली के साथ भक्ति को जोड़कर एक नई आध्यात्मिक क्रांति की शुरुआत होगी : जैन
- 5 अप्रैल को ग्रीन एकड़ में आयोजित होगी इलेक्ट्रो डांस भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

आध्यात्मिकता और आधुनिकता का अनूठा मिश्रण पेश करते हुए हिसार में पहली बार इलेक्ट्रो डांस भजन (ईडीबी) संध्या का आयोजन किया जाएगा। यह सिर्फ एक साधारण भजन संध्या नहीं, बल्कि परिवार के हर सदस्य के लिए भक्ति का नया अनुभव है, जहां संगीत, नृत्य और भक्ति का समावेश एक अनोखे अंदाज में होगा। ये आयोजन 5 अप्रैल को ग्रीन एकड़ में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक युवा सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रमोटर सजल जैन ने इस संबंध में पत्रकारों से बातचीत करते हुए बताया कि उनका उद्देश्य आधुनिक जीवनशैली के साथ भक्ति को जोड़कर एक नई आध्यात्मिक क्रांति की शुरुआत करना है। ये कार्यक्रम पहली बार हो रहा है, जिसमें पारंपरिक भजनों को इलेक्ट्रो संगीत के साथ मिलाकर एक अलग अंदाज में पेश किया जाएगा। इलेक्ट्रो संगीत और भजनों को मिलाने का काम विख्यात डीजे सुमित सेठी के द्वारा होगा।

कार्यक्रम को लेकर जबरदस्त उत्साह

इस मौके पर प्रसिद्ध गायक और रैपर फैजलपुरिया भी मौजूद रहे। उन्होंने इस पहल को सराहते हुए कहा कि यह पहली बार हो रहा है कि भक्ति को नए अंदाज में पेश किया जा रहा है। युवा व्यवसायी अक्षय मलिक ने इस मौके पर कहा कि इस कार्यक्रम को लेकर समाज में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर इसे लेकर चर्चा हो रही है, जिससे स्पष्ट है कि ईडीबी भक्ति संगीत की दुनिया में एक क्रांतिकारी परिवर्तन लाने जा रहा है। ईडीबी कोई साधारण भजन संध्या नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहां आध्यात्मिकता, संगीत और मनोरंजन का अद्भुत संगम होगा। इस मौके पर एस्ट्रोलोजर प्रद्युमन सूरी, राहुल सिंघल राजलीवाला, मनमोहन सिंगला, राजीव कुमार काली आदि मौजूद रहे।

इन्द्र चंद राठी फिर बने प्रधान

- हनुमान मंदिर की वार्षिक बैठक
- वार्ड 17 के नवनिर्वाचित पार्षद राजेश का अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जवाहर नगर स्थित श्रीराम भगत हनुमान मंदिर के मासिक सदस्यों की वार्षिक बैठक मंदिर प्रांगण में प्रधान इन्द्र चंद राठी की अध्यक्षता में हुई। बैठक की शुरुआत हनुमान चालीसा के पाठ से की गई। बैठक में विशेष रुप से उपस्थित हुए वार्ड नंबर 17 के नवनिर्वाचित पार्षद राजेश अरोड़ा रिंकू का फूलमालाएं पहनाकर व बुक्का भेंटकर स्वागत किया गया। कोषाध्यक्ष भगतचंद मेहता ने वार्षिक आय-व्यय की रिपोर्ट प्रस्तुत की। मंदिर समिति द्वारा अगले माह 8 से 12 अप्रैल तक हनुमान जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाने का फैसला लिया गया। अन्य अनेक विषयों पर विचार विमर्श करने के उपरांत मंदिर कार्यकारिणी का अगामी वर्ष के लिये चुनाव करवाने का प्रस्ताव रखा गया। इस पर सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से वर्तमान में प्रधान इन्द्र चंद राठी के नेतृत्व में गठित पूरी कार्यकारिणी को ही अगले वर्ष के लिये चुन लिया।

हिसार। श्रीराम भगत हनुमान मंदिर समिति की वार्षिक बैठक में उपस्थित समिति के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

हिसार के राम नारायण के अभिनय की मुंबई में गूंज

- वरिष्ठ थियेटर रंगकर्मी राम नारायण को मिला सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार के वरिष्ठ थिएटर अभिनेता राम नारायण को 'बॉलीवुड इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' में फ़िल्म 'कांड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह फ़िल्म चर्चित निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा निर्देशित है और इसे दर्शकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। इस वेब सीरीज़ को अब स्टेज ऐप पर देखा जा सकता है। राम नारायण हिसार के प्रतिष्ठित रंगकर्मी हैं और लंबे समय से रंगमंच से जुड़े हुए हैं। वे अभिनय रंगमंच के प्रमुख अभिनेताओं में से एक हैं और उन्होंने अब तक 20 से अधिक नाटकों में अभिनय किया है। थिएटर जगत में उनके योगदान को सराहा जाता है, और वे थिएटर ओलंपिक्स में भी अपनी प्रस्तुति दे चुके हैं, जो कि भारतीय रंगमंच के लिए एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। फ़िल्म 'कांड 2010' में उनकी भूमिका को आलोचकों और दर्शकों द्वारा बेहद पसंद किया गया, जिससे उन्हें यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। 30 वर्ष के राम नारायण ने इसमें 75 वर्ष के व्यक्ति की भूमिका निभाई है।

राम नारायण का यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत सफर की सफलता का प्रतीक है, बल्कि थिएटर से जुड़े कलाकारों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इस उपलब्धि पर अभिनय रंगमंच, थिएटर समुदाय और फ़िल्म जगत में हर्ष की लहर है। उनकी यह सफलता यह साबित करती है कि रंगमंच की बारीकियों को समझने वाला अभिनेता किसी भी माध्यम में अपनी छाप छोड़ सकता है। उनके अभिनय की गहराई और प्रभावशाली प्रस्तुति ने उन्हें इस सम्मान तक पहुँचाया है।

वरिष्ठ रंग कर्मी रामनारायण।

कलाकारों ने बधाई दी

फ़िल्म 'कांड 2010' जिसमें राम नारायण ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, मिर्चपुर कांड पर आधारित है। दर्शक इस बेहतरीन वेब सीरीज़ को वहां देख सकते हैं और राम नारायण के शानदार अभिनय का अनुभव कर सकते हैं। उनकी इस उपलब्धि पर थिएटर और फ़िल्म इंडस्ट्री के कलाकारों ने उन्हें बधाई देते हुए भविष्य में भी उनकी और उपलब्धियों की कामना की है।

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला कल से

- कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा देना होगा मेले का थीम
- कुलपति ने मेले की तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा 17 मार्च को आयोजित किए जाने वाले दो दिवसीय कृषि मेले की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कुलपति ने समीक्षा बैठक में वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मेले में समुचित प्रबंध करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेले के शुभारंभ अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्यातिथि होंगे जबकि सांसद, फैंकफर्ट, जर्मनी से राहुल कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।

मेले में हर साल हरियाणा सहित पंजाब, राजस्थान, दिल्ली, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में किसान जुटते हैं। उन्होंने किसानों से भी आह्वान किया है कि वे कृषि मेले में आकर विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों, तकनीकों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है। मेले का आयोजन विश्वविद्यालय के गेट नंबर तीन के सामने बालसमंद रोड पर मेला ग्राउंड में किया जाएगा।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज बैठक में कृषि मेला की व्यवस्थाओं के लिए गठित कमेटियों के कार्यों की समीक्षा करते हुए।

रामपुरा मोहल्ले में अवैध पीजी से बढ़ी परेशानियां, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

शहर के रामपुरा मोहल्ले में अवैध रूप से चल रहे पेइंग गेस्ट (पीजी) स्थानीय निवासियों के लिए बड़ी परेशानी बनते जा रहे हैं। ये अवैध पीजी बिना किसी अनुमति के खाली पड़े घरों में संचालित किए जा रहे हैं, जहां बाहर से आए युवा रह रहे हैं। इनमें से कई ऐसे हैं, जिनका पढ़ाई से कोई नाता नहीं है और वे मोहल्ले में अशांति फैला रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद भी यहां अवैध गतिविधियां जारी हैं। इन पीजी में रहने वाले युवक रात-दिन तेज आवाज में मोटरसाइकिल चलाते हैं, जिनकी बुलेट मोटरसाइकिलों के पटाखे छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए बड़ी परेशानी बन गए हैं। इस मुद्दे को लेकर रामपुरा मोहल्ला रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान आशीष कुक्की के नेतृत्व में स्थानीय निवासियों ने पुलिस से शिकायत की। सब्जी मंडी चौकी इंचार्ज कुलदीप सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक दिल्ली नंबर की बुलेट मोटरसाइकिल का 35,000 रुपये का चालान काटा और गाड़ी को इंपाउंड कर दिया। प्रशासन जल्द से कार्रवाई करे।

हिसार। शिकायत के बाद कार्रवाई करती पुलिस। फोटो: हरिभूमि

विभिन्न स्थानों पर शुरू हुई सरसों की खरीद

- हैफेड़ व हरियाणा वेयर हाउस की ओर से होगी खरीद

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

जिले में सरसों की सरकारी खरीद शुरू हो गई है। इसके लिए 14 केन्द्र बनाए गए हैं, जहां किसान फसल बेच सकेंगे। खरीद शुरू होने के बाद विभागीय अधिकारी निगरानी में लगे रहे। सरसों खरीद शुरू होने के बाद पहले दिन शनिवार को विभिन्न क्षेत्रों से किसान अपनी सरसों लेकर खरीद केन्द्रों पर पहुंचे। सरकार की ओर से हैफेड और हरियाणा वेयर हाउस ही सरसों की सरकारी खरीद करेगी।इस बार सरकार ने सरसों की खरीद के लिए सरकारी रेट में भी बढ़ोतरी कर दी है। इस समय सरसों का एमएसपी 5960 रुपये तय किया है। पिछले दो दिनों से मौसम भी खराब रहने के चलते सरसों की आवक पर प्रभाव पड़ने का अनुमान है। खरीद केन्द्रों पर जहां सरसों की आवक शुरू हो गई है वहीं पछेती सरसों बिजाई वाले किसान अभी सरसों की कटाई में ही लगे हैं। बालसमंद व अग्रोहा क्षेत्रों में सरसों की बिजाई का रकबा अधिक माना जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार गेहूं की सरकारी खरीद जिलेभर में शुरू हो गई है। इसके तहत जिले में हिसार, हांसी, बास, लोहारी राघो, उकलाना, आदमपुर, नारनौंद, बरवाला, अग्रोहा, घिराय, कैमरी, सिसाय, बालसमंद में खरीद हो रही है।

25 दिनों में 12 ज्योतिर्लिंग और 4 धाम पूरे कर बनाया विश्व रिकॉर्ड

सिसाय के बेटे को पलकों पर बैठाया

- 25 को तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में साधु संत करेंगे सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौंद

अंतरराष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक और भगवा ऐप के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित भगवा त्रिशूल यात्रा 13 मार्च को हरियाणा के सबसे बड़े गांव सिसाय पहुंची। यात्रा का स्वागत ग्रामवासियों ने सैकड़ों ट्रेक्टर एवं मोटरसाइकिल के साथ किया गया। यहां श्रद्धालुओं और धर्म प्रेमियों ने ऐतिहासिक स्वागत किया। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण और भारतीय धरोहरों के संरक्षण को बढ़ावा देना है। यात्रा के अंतर्गत 120 पवित्र त्रिशूलों को भव्य वाहनों में स्थापित किया गया है, जो यात्रा के साथ निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। इन त्रिशूलों की नियमित पूजा-अर्चना की जा रही है। यात्रा के संयोजक दीप सिहाग सिसाय ने बताया कि यह यात्रा प्रयागराज से 8 राज्यों से होते हुए 25 मार्च को दिल्ली की तालकटोरा स्टेडियम में पहुंचेगी, जहां संत समाज यात्रा को सम्मानित करेंगे। करीब 25 दिनों में 12 ज्योतिर्लिंग और 4 धाम की यात्रा करके विश्व रिकॉर्ड बनाया गया है। 25 मार्च को तालकटोरा स्टेडियम दिल्ली में साधु संत करेंगे सम्मानित। भगवा त्रिशूल यात्रा के दौरान विशेष वाहनों में प्रतिष्ठित त्रिशूलों की लगातार पूजा-अर्चना की जा रही है।

नारनौंद। गांव सिसाय में त्रिशूल यात्रा का स्वागत करते हुए भारी संख्या में श्रद्धालु।

200 से अधिक गाड़ियों का काफिला

यात्रा के संयोजक दीप सिहाग सिसाय के अनुसार भगवा त्रिशूल यात्रा के साथ 200 से अधिक वाहनों का भव्य काफिला निरंतर आगे बढ़ रहा है, जिसमें 3 ट्रक जिस पर 120 त्रिशूलों को भव्यता से स्थापित किया गया है और इनके साथ पुजारी लगातार पूजा अर्चना कर रहें है वही 3 ट्रकों के साथ 1 बस भी साथ चल रही है। साथ ही 200 से अधिक गाड़ियों का काफिला यात्रा के साथ चल रहा है, जिसमें श्रद्धालुओं, धार्मिक संगठनों और सनातन धर्म प्रेमियों की भारी संख्या शामिल है।

आज के दौर में अकसर देखा जाता है कि अधिकतर युवा आपस में बातचीत के दौरान भाषा की मर्यादा का ध्यान नहीं रखते हैं। वे अपनी पर्सनालिटी को बिंदास दिखाने के लिए प्राय: ऐसा करते हैं। सच्चाई यह है कि इससे न केवल उनकी सोशल इमेज बिगड़ती है, वर्कप्लेस पर आगे बढ़ने की राह में भी ऐसी भाषा रुकावटें पैदा करती है। इसलिए संवाद के दौरान सजग रहना जरूरी है।

आपसी संवाद की भाषा हो मर्यादित-सकारात्मक-मधुर

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

वर्चुअल दुनिया में परोसे गए कंटेंट की अमर्यादित भाषा को लेकर चल रही बहस के बीच हर किसी के लिए सभ्य शब्दों का महत्व समझना आवश्यक है। आभासी संसार से कहीं ज्यादा, असली दुनिया में सधी संतुलित अभिव्यक्ति जरूरी है। खासकर कूल बनने और कमाल का व्यक्तित्व हो जाने की भूल-भुलैया के इस दौर में युवाओं को यह बात समझनी ही होगी। जरूरी है कि अपने वर्कप्लेस पर भी शब्दों की सभ्यता का दामन थामे रहें। सधी छवि और सफल भविष्य के लिए वर्कप्लेस पर सभ्य भाषा बहुत मायने रखती है।

शब्दों से जुड़ा सम्मान

काम-काजी संसार में किसी भी तरह के लिखित या मौखिक बातचीत में असभ्य शब्दों का इस्तेमाल करने से बचें। किसी भी परिस्थिति में न तो असभ्य शब्द लिखें और न ही बोलें। ध्यान रहे कि आपके शब्दों से स्वयं का सम्मान भी जुड़ा है। यह न भूलें कि दूसरों के मन और मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्द इस्तेमाल करने वाले खुद भी किसी से इज्जत नहीं पाते हैं। बावजूद इसके ऑफिस में भी ह्यूमर के नाम पर किसी सहकर्मी या सहायक स्टाफ की हंसी उड़ाने की गलती बहुत से लोग करते हैं। इस तरह के असामान्य और कुंठाग्रस्त व्यवहार के घेरे में आने से बचने के लिए पहले ही कदम पर सजगता जरूरी है। वरना जाने-अनजाने कुछ भी कह-सुना देने की आदत बनती जाती है। बिना सोचे-समझे मुंह से अभद्र शब्द निकलने लगते हैं। करियर को नुकसान पहुंचाने वाली यह आदत खुद आपको भी एक कुंठित व्यक्तित्व ही देती है। जोश भरे युवाओं को हर पल याद रखना चाहिए कि काम-काजी दुनिया में अनुशासित रहना बहुत आवश्यक है। अच्छी भाषा, इसी अनुशासन का हिस्सा है। अनुशासन के दायरे में रहते हुए सदा सकारात्मक ढंग से बातचीत करने की राह चुनने में ही समझदारी है। किसी के साथ भी असभ्य संवाद करने से पहले याद रखिए कि ये शब्द स्वयं आपके सम्मान से भी जुड़े हैं।

इमेज पर पड़े बुरा प्रभाव

बातचीत में इस्तेमाल होने वाले अभद्र शब्द, इंसान की बॉडी लैंग्वेज भी बिगाड़ देते हैं। बोलने वाले के हाव-भाव को भी नेगेटिव रंगत में ढाल देते हैं। शब्दों पर कंट्रोल न करना, इंसान की बॉडी लैंग्वेज को अजीबो-गरीब बना देता है। समझना मुश्किल नहीं कि ऐसी सभी बातें व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित करती हैं। जो सीधे-सीधे वर्कप्लेस पर आपकी इमेज बिगाड़ने वाली साबित होती हैं। वहीं सोच-समझकर बोलना, न केवल आपका फर्स्ट इंप्रेशन पॉजिटिव बनाता है बल्कि आगे भी आपकी सकारात्मक छवि को कायम रखता है। सोशल लाइफ हो या प्रोफेशनल, सोशल एटिकेट्स हमेशा मायने रखते हैं। आपको यह समझना चाहिए कि बातचीत में गलत शब्दों का चुनाव, आपको असहयोगी और अकड़ू व्यक्ति का तमगा दिलाने वाला बर्ताव साबित हो सकता है।

बेहतरी के लिए सही भाषा जरूरी

काम-काजी दुनिया में आपसे जुड़े सीनियर हों या जूनियर, सही सोच और अच्छे मैनर्स से सबका दिल जीता जा सकता है। स्पष्ट है कि इससे करियर में आगे बढ़ने में भी मदद मिलती है। बेहतर प्रोजेक्ट्स आपके हिस्से आते हैं। इतना ही नहीं सभ्य भाषा और सधा बर्ताव कई बार आपको किसी तकलीफ में फंसने से भी बचा लेता है। सहकर्मियों के साथ किया गया मीनिंगफुल और माइंडफुल संवाद काम-काज के लिए पॉजिटिव परिवेश बनाता है, जिसके चलते लोगों का दिल जीतने के साथ-साथ कामयाबी भी आपके हिस्से आती है। मन जीतने के इन सभी मोर्चों पर अच्छी भाषा सबसे ज्यादा मायने रखती है। असल में देखा जाए तो सकारात्मक शब्दों और सभ्य बोलचाल के प्रभाव का यह सिलसिला इंटरव्यू से ही शुरू हो जाता है। बावजूद इसके युवाओं की अजीबो-गरीब भाषा शैली आज चिंता का विषय बन गई है। मनोवैज्ञानिक विश्लेषणों में भी सामने आया है कि आमतौर पर युवा बेझिझक अपशब्दों का इस्तेमाल करते हैं। इस बर्ताव के पीछे मौजूद साइकोलॉजिकल कारण बताते हैं कि आज की युवा पीढ़ी बोलने या करने से पहले कुछ नहीं सोचती। साथ ही वे इस बात से भी प्रभावित नहीं होते कि कोई उनके बारे में क्या सोचेगा? या उनके बोले शब्दों का किसी पर क्या प्रभाव पड़ेगा? सच्चाई यह है कि जीवन का कोई पक्ष, अशिष्ट शब्दों के नकारात्मक असर से नहीं बच पाता है। जरूरी है कि युवा आज के दौर में बढ़ती शाब्दिक अभद्रता की संस्कृति से बचें। दफ्तर में भावों, विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हुए संयत और सभ्य शब्दों का चुनाव करें। सधे व्यक्तित्व की सौगात देने वाला यह व्यवहार आपके लिए सदा ही बेहतरी के मार्ग खोलने वाला साबित होगा। *

संवाद से जुड़ा कारगर फॉर्मूला

प्रसिद्ध शोधकर्ता अल्बर्ट मेहराबियन द्वारा दिए गए 55-38-7 का फॉर्मूला बताता है कि कम्युनिकेशन 55 फीसदी नॉन वर्बल (शारीरिक भाषा यानी हाव-भाव) और 38 प्रतिशत वोकल (स्वर के द्वारा) होता है। संवाद में सिर्फ 7 फीसदी हिस्सा ही वर्बल यानी शब्दों से प्रकट होता है कि आप वास्तव में क्या कहते हैं? ऐसे में मजाक हो या प्रतिक्रिया देना, गलत शब्दों का इस्तेमाल आपकी अभिव्यक्ति की पूरी श्रृंखला ही बिगाड़ सकता है। इसलिए हर किसी को संवाद के दौरान अपने शब्दों के इस्तेमाल को लेकर पूरी तरह सजग रहना चाहिए।

इन दिनों आप अकसर बातचीत के दौरान अलग-अलग पीढ़ियों के लिए कुछ खास नाम सुनते होंगे, जैसे जेन एक्स, मिलेनियल, जेन जेड, बेबी ब्लूमर्स आदि। आपके मन में सवाल उठता होगा कि आखिर ये नाम कैसे रखे जाते हैं? इनकी क्या विशेषताएं हैं? आइए, इन सभी सवालों के जवाब जानते हैं।

एक-दूसरे से अलग-अनोखी है हर जेनरेशन की कहानी

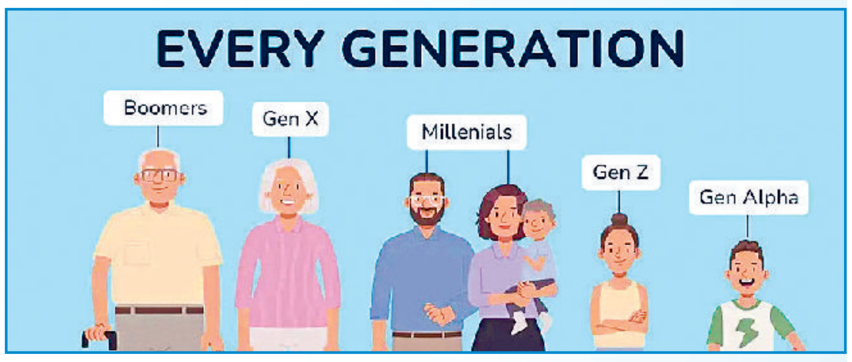

सोशल ट्रेंड
शिखर चंद जैन

एक समय तक आम चलन में नई और पुरानी पीढ़ी का ही जिक्र किया जाता रहा है। लेकिन अब अलग-अलग पीढ़ी को अलग नामों से भी जाना जाता है। इनका चलन हाल के सालों में तेजी से बढ़ा है।

कैसे तय होता है पीढ़ियों का नाम: पीढ़ियों का नाम तय करना, श्रमसाध्य, विचारपरक और कई चीजों पर आधारित एक जटिल प्रक्रिया है। यह एकेडमिक अनुसंधान, मीडिया के प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव पर निर्भर करता है। जनसांख्यिक और समाजशास्त्री जनसंख्या सर्वेक्षणों, जन्म दरों और सामाजिक परिवर्तनों की पहचान के आधार पर ये नामकरण करते हैं। हां, इसे लोकप्रिय और प्रचलित करने का काम मीडिया का होता है।

नया ट्रेंड है पीढ़ियों का नामकरण: पीढ़ियों के नामकरण और श्रेणीबद्ध करने की परंपरा बहुत पुरानी नहीं है। 20वीं सदी की शुरुआत में इसका चलन शुरू हुआ है। इस वक्त जनसांख्यिकों और समाजशास्त्रियों ने जनसंख्या का विश्लेषण और सामाजिक बदलाव को दर्ज करना शुरू कर दिया था। पीढ़ियों के नाम महत्वपूर्ण सामाजिक, सांस्कृतिक घटनाओं, विभिन्न आयु वर्ग की आदतों और समय विशेष पर आधारित होने लगे। अब आपको बताते हैं, अब तक की अलग-अलग पीढ़ियों के नामकरण के बारे में।

बेबी बूमर्स: वर्ष 1946 से 1964 के बीच जन्मे बच्चों को बेबी बूमर्स कहा गया। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद एक बेबी बूम आया था, जब दुनिया में जन्म दर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। इस पीढ़ी ने 60 के दशक के बड़े सामाजिक परिवर्तन देखे। इसी दौरान कार्पोरेट जगत का उदय हुआ और और लोगों की जीवनशैली पर इस संस्कृति का खासा प्रभाव पड़ा। उस दौर के लोग आज सीनियर सिटिजन हो चुके हैं।

जेनरेशन एक्स: 1965 से 1980 के बीच जन्मे बच्चे, जेनरेशन एक्स कहलाते हैं। इस दरमियान समाज में कोई उल्लेखनीय और व्यापक परिवर्तन नहीं हुए। यद्यपि उस पीढ़ी के बच्चों ने पर्सनल कंप्यूटर का उद्भव होते देखा है। उस दौर के लोग अब मिड एज क्रॉस कर ओल्ड एज की ओर बढ़ रहे हैं।

मिलेनियल/जेन वाई: 1981 से 1996 के बीच जन्मे बच्चों को मिलेनियल कहा जाता है। उस पीढ़ी के लोगों ने 'मी जेनरेशन' या 'ईको बूमर्स' भी कहा जाता है। उस पीढ़ी को अपने में ही डूबे रहने, एकलवाद, डिजिटल टेक्नोलॉजी की जानकार और आर्थिक रूप से संपन्न माना गया। ये पीढ़ी मैटीरियल पजेजन से ज्यादा एक्सपीरियंस को महत्व देती थी।

जेनरेशन जेड: 1990 के मध्य से 2010 तक के दशक की शुरुआत तक जन्मी पीढ़ी को जेन जेड कहा जाता है। इस पीढ़ी को इसकी ग्लोबल कनेक्टिविटी और एंटरप्रेन्योरल स्पिरिट के लिए जाना जाता है। इन्हें कहीं-कहीं आई जेनरेशन और डिजिटल नेटिव्स भी कहा जाता है। इस पीढ़ी के बच्चे स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और सूचनाओं के त्वरित ग्रहण और उसे दूसरों तक प्रसारित करने के लिए जाने जाते हैं। ये पीढ़ी अभी युवावस्था से गुजर रही है।

जेनरेशन अल्फा: 2010 से 2024 के बीच जन्मे बच्चे जेनरेशन अल्फा के बच्चे कहलाते हैं। अल्फा 21वीं सदी की पहली पीढ़ी कही जा सकती है। यह पीढ़ी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑगमेंटेड रियलिटी और स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साए में जन्मी, पली और बड़ी हुई है। उनकी शिक्षा, खेलकूद, एंटरटेनमेंट सब कुछ टेक्नोलॉजी से अत्यधिक प्रभावित है। यह पीढ़ी अभी टीनएज से गुजर रही है। इसके बाद इसी साल एक जनवरी 2025 के बाद से जन्म लेने वाली पीढ़ी को जेन बीटा का मेंबर माना जा रहा है। इनके जीवन के हर पक्ष में तकनीक का जबर्दस्त प्रभाव दिखेगा।

एक पीढ़ी के गुणों में समानता: यह एक जटिल प्रश्न है कि क्या दुनिया भर में जन्मे एक पीढ़ी के लोगों में समानता होती है? यह काफी कुछ दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में घटने वाली घटनाओं, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, वातावरण एवं सामाजिक ढांचे पर निर्भर करता है। लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं कि इंटरनेट युग में जन्मी ग्लोबल युवा पीढ़ी के बहुत सारे गुण और आदतें लगभग एक समान होते हैं। *

क्या है सैंडविच पीढ़ी

सैंडविच पीढ़ी का अर्थ मध्यम आयु वर्ग यानी 45 से 55 वर्ष के इर्द-गिर्द के व्यक्तियों से है। इन पर अपने बुर्जुग माता-पिता और युवा बच्चों दोनों का भरण-पोषण करने की जिम्मेदारी है। सैंडविच पीढ़ी का नाम इसलिए रखा गया है, क्योंकि वे अपने बूढ़े माता-पिता की देखभाल करने के दायित्व और किशोरावस्था से युवा होते बच्चों की नई-नई फरमाइशों और चाहतों के बीच 'सैंडविच' जैसी स्थिति में होते हैं। ये कम ऊर्जावान, थके-थके से या बीमारियों से जूझने वाले हो सकते हैं। विभिन्न कार्य करने में असमर्थ हो सकते हैं या इनका वित्तीय रूप से अकसर हाथ तंग हो सकता है। इन्हें इस उलझन से गुजरना पड़ता है कि मां-बाप के लिए दवा और तीर्थाटन की व्यवस्था करें या बच्चों को महंगे गैजेट्स और ब्रांडेड कपड़े खरीदकर दें।

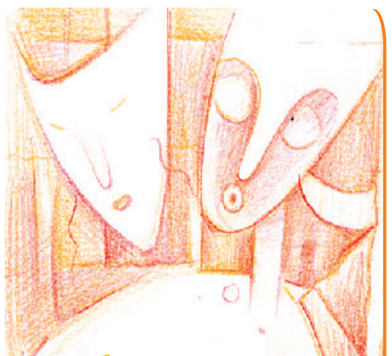

गजल
अब्दुल कलाम

हम अमर होते

सुबह शाम उनकी नजर होते
आइना काश हम अगर होते

तुरबतें अपनी भी बाकमाल होती
हम जो मीर, गालिब या जफर होते

खत में पता ही गलत था वरना
गए हम भी उनके शहर होते

बैठ जाते घनी छांव में थक कर
हमारे जीवन का जो तुम शजर होते

तुम्हारी याद में जीते और याद में
मर कर भी हम अमर होते

तुमने देखा ही नहीं उस रोज का अखबार
वरना हमारे हाल से तुम बाखबर होते

छोटी कहानी
सुनील कुमार महला

शर्मिंदा

ऑटो रिक्शा में अनिल के बगल में आकर वह व्यक्ति जैसे ही बैठा, उसने अपना एक हाथ अनिल के बैग पर रख दिया। अनिल ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन उस आदमी ने हाथ रखने की जो वजह बताई, अनिल खुद पर शर्मिंदा हो गया।

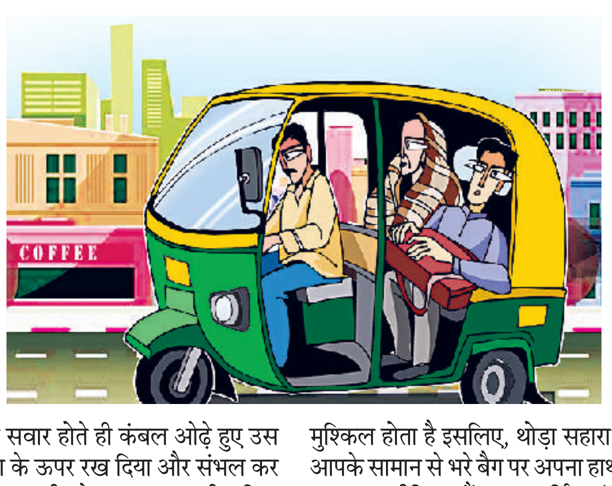

रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा अनिल, बस स्टैंड जाने के लिए ऑटो रिक्शा का इंतजार कर रहा था। तभी एक ऑटो रिक्शा वाला तीस रुपए में बस स्टैंड जाने के लिए तैयार हो गया। अनिल ने अपने दो भारी-भरकम बैग ऑटो रिक्शा में रखे और स्वयं भी उसमें सवार हो गया। ऑटो रिक्शा में अनिल अकेला ही बैठा था। जब कोई अन्य सवारी ऑटो में बैठने नहीं आई तो उसने अपने एक बैग को ऑटो रिक्शा की सीट पर ही रख दिया, ताकि पैरों के पास सामान रखने से उसे ऑटो रिक्शा में बैठने में कोई दिक्कत-परेशानी न हो। शाम का समय था, ठंडी हवाएं चल रही थीं, इसलिए अनिल ने अपने चेहरे को मफलर से ढंक रखा था। ऑटो रिक्शा वाला अभी एक अन्य सवारी के इंतजार में था। थोड़ी देर में एक लंबा व्यक्ति, जो कंबल ओढ़े हुआ था, बस स्टैंड जाने के लिए उसी ऑटो रिक्शा के पास आया। ऑटो रिक्शा वाले ने उस व्यक्ति को भी ऑटो में बिठाया। वह लंबा व्यक्ति ऑटो रिक्शा में उस साइड में बैठ गया, जिधर सीट पर अनिल का सामान से भरा हुआ भारी-भरकम बैग रखा हुआ था। ऑटो रिक्शा में सवार होते ही कंबल ओढ़े हुए उस व्यक्ति ने अपना दायां हाथ बैग के ऊपर रख दिया और संभल कर बैठ गया। ऑटो रिक्शा वाला गंतव्य की ओर चल पड़ा। तभी अनिल ने ऑटो रिक्शा में बैठे उस व्यक्ति की ओर देखते हुए थोड़ा गुस्से में कहा, 'भाई साहब! जरा ध्यान से बैठें और हां, बैग को इतना दबाव देते हुए न पकड़ें। दरअसल, बैग में बच्चों के लिए कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है और आपके हाथ के दबाव से इसमें रखा सामान टूट सकता है।'

कंबल ओढ़े हुए वह व्यक्ति अनिल की बात सुनकर एकदम से सकपका गया, उसने अनिल से कहा, 'अरे भाई साहब मुझसे गलती हो गई! मुझे नहीं पता था कि इसमें आपका कुछ टूटने वाला कीमती सामान रखा हुआ है। दरअसल, वो क्या है कि मेरा एक ही हाथ है न! ऑटो रिक्शा जब ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेजी से चलता है, तब एकदम से ऑटो रिक्शा में अपना बैलेंस बनाना मुश्किल होता है इसलिए, थोड़ा सहारा लेने के लिए, भूलवश मैंने आपके सामान से भरे बैग पर अपना हाथ रख दिया। इसके लिए मुझे माफ कर दीजिए, मैं बहुत शर्मिंदा हूं।' उस व्यक्ति की ये बातें सुनकर अनिल उसे एकटक देखता ही रह गया। दरअसल, अनिल ने कंबल ओढ़े व्यक्ति को ऑटो रिक्शा में बैठते समय एकबारगी देखा जरूर था, लेकिन उस व्यक्ति के कंबल ओढ़े रहने के कारण सुनील को इस बात का अहसास ही नहीं हुआ था कि जो व्यक्ति ऑटो में उसके साथ बैठा था, उसके एक ही हाथ है। अनिल अब अपने रूखे बर्ताव पर मन ही मन शर्मिंदा महसूस कर रहा था। *

लघुकथा
गोविंद भारद्वाज

बदलते हुए मायने

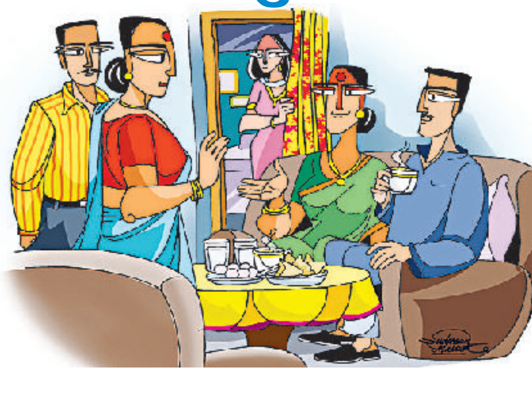

अपने बेटे के लिए सोनाक्षी को देखने आईं सावित्री ने कहा, 'आपकी बेटी सोनाक्षी हमें बहुत पसंद है, बस अब आपकी हां की जरूरत है।'

'हमारी तो हां है बहन जी... इसलिए तो आपको लड़की दिखाने के लिए बुलाया है।' पार्वती ने खुश होकर जवाब दिया।

'तो देर किस बात की है... मुंह मीठा कराइए...' सावित्री ने तपाक से कहा।

इस पर पार्वती ने विनम्रता से कहा, 'बहनजी रिश्ता पक्का करने से पहले दान-दहेज की भी खुल के बात कर लें तो ठीक रहेगा... ताकि आगे चलकर संबंधों में कोई खटास न आए।'

'बात तो आप ठीक कह रही हैं। इस बारे में मेरी राय यह है कि दहेज से तो हमें सख्त नफरत है... हां रही दान की बात, आप जितना भी देंगे अपनी इकलौती बिटिया को देंगे... इससे हमें कोई ऐतराज नहीं होगा।' सावित्री ने अपने मन की बात कही।

इस पर सोनाक्षी के पिताजी ने अपनी धर्मपत्नी पार्वती को दूसरे कमरे में बुलाया और उनसे धीरे से कहा, 'देखा पार्वती... कितनी चालाक हैं ये... दहेज से नफरत है और दान से नहीं... बातों-बातों में शब्दों के हेर-फेर से दहेज लेने की बात भी कह दी।'

पार्वती बोली, 'तुम ठीक कह रहे हो सोनाक्षी के पापा... मायने में तो दान और दहेज कोई अलग-अलग शब्द नहीं हैं।'

'क्या बातचीत हो रही है हमारे समधी-समधन में...' सावित्री ने उन्हें फुसफुसाते देखकर बाहर वाले कमरे से पूछा।

'कुछ नहीं बस, हम दुनिया के बदलते हुए मायने पर विचार कर रहे थे।' पार्वती ने जवाब दिया। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

मोहब्बत की दास्तानें

सारी दुनिया में मोहब्बत पर अब तक असंख्य कहानियां लिखी जा चुकी हैं। लेकिन यह ऐसा एहसास है, जिसे हर कोई अपनी तरह से महसूसता है, उसे बयां करता है। यह एहसास, वरिष्ठ कथाकार गोविंद उपाध्याय द्वारा लिखी गई पंद्रह प्रेम कहानियों के संकलन 'मितऊ' की कहानियों से गुजरते हुए और पुख्ता होता है। इन कहानियों में अलग-अलग उम्र और परिवेश के पुरुष और स्त्री के बीच पनपे प्यार के जज्बातों को पूरी संजीदगी से व्यक्त किया गया है। संग्रह की 'विकल्प' कहानी को अगर छोड़ दिया जाए तो अधिकतर में प्यार अपने अंजाम तक नहीं पहुंच पाता है। या कहें, सभी में अलग-अलग भावभूमि और जीवन-परिस्थितियों के आगे विवश, प्रेमी युगल विरह की टीस के साथ एक-दूसरे से अलग हो जाते हैं। इन कहानियों की विशेषता यह भी है कि इनके नायक-नायिकाओं में कहीं भी देहासक्ति नजर नहीं आती है, प्रेम की पवित्र भावना की गरिमा बनाए रखना उनके लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता है। इसे कई कहानियों में देख सकते हैं। फिर वो चाहे 'मेज नंबर सात' का लाइब्रेरियन हो या 'चौथे पहर का विरह गीत' का पत्रकार, प्रेम की मर्यादा को कभी नहीं लांघते हैं। यही इन कहानियों की खूबसूरती भी है, जो इन्हें बेहद पठनीय बना देती है। *

पुस्तक: मितऊ (कहानी संग्रह), **लेखक:** गोविंद उपाध्याय, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन, नई दिल्ली

संयुक्त अरब अमीरात का दुबई शहर, पूरी दुनिया में अपनी खूबसूरती और आधुनिक सुख-सुविधाओं के लिए जाना जाता है। इसे खूबसूरत बनाने के लिए शहर की व्यवस्थित प्लानिंग, प्रशासनतंत्र और स्थानीय लोगों का सामूहिक योगदान है। कुछ समय से दुबई में रह रहे लेखक ने वहां की खासियतों को स्वयं अनुभव किया है। उसी को बयां कर रहे हैं अपनी जुबानी।

आधुनिकता-विविधता को समेटे शानदार-खूबसूरत शहर दुबई

बेमिसाल

जोगिंदर रोहिल्ला

दुनिया के कई देशों में रहने और काम करने का अनुभव मुझे मिलता रहा है। फिलहाल दुबई में हूं। इस शहर की कई विशेषताएं ऐसी हैं, जो इसे दुनिया भर से अलग बनाती है। यह शहर आधुनिकता, विविधता और स्वच्छता का अनोखा संगम कहा जा सकता है। इस शहर की सड़कों से गुजरते हुए, मुझे इसकी हरियाली, चमचमाती गगनचुंबी इमारतें और अनुशासित जीवनशैली बहुत प्रभावित करती है। 'हरियाली' शब्द पढ़कर आप चौंक तो नहीं गए! दुबई तो संयुक्त अरब अमीरात में है, जो रेगिस्तानी इलाके के रूप में जाना जाता है। तो यहां हरियाली कैसे? शुरू-शुरू में मुझे भी यही आश्चर्य हुआ था, लेकिन सच यह है कि यहां के बहुत से रिहायशी इलाके बहुत ही व्यवस्थित ढंग से हरे-भरे नजर आते हैं।

इमारतों-सड़कों का आकर्षण: दुबई अपनी गगनचुंबी इमारतों और अद्वितीय वास्तुकला के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध है। बुर्ज खलीफा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारत है, दुबई की पहचान बन चुकी है। लेकिन यही नहीं इस शहर की लगभग हर ऊंची इमारत में कोई न कोई ऐसी खासियत है, जो इसे अलग बनाती है। ये खूबसूरत-गगनचुंबी इमारतें न केवल आधुनिकता का प्रतीक हैं, बल्कि इनसे दुबई का भविष्य भी झांकता दिखाई देता है। दुबई शहर की मुख्य सड़क शेख जायद रोड, जिसके दोनों ओर शानदार इमारतें हैं, ऐसा स्थान है, जो शहर की गतिशीलता और ऊर्जा को भी दर्शाती है। रात के समय इमारतों की जगमगाती रोशनी और सड़कों पर दौड़ती गाड़ियां अत्याधुनिक शहर का मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं।

मन मोहती स्वच्छता: दुबई में कदम रखते ही सबसे पहली बात, जो ध्यान आकर्षित करती है, वह है यहां की बेहतरीन स्वच्छता। चारों तरफ इतनी सफाई रहती है कि आप हैरान हो जाएंगे। मैं दुबई मरीना एरिया में कुछ दिन रहा और नोट किया कि सूरज निकलने से काफी पहले ही म्युनिसिपेलिटी के सफाई कर्मचारी अपने काम में लग जाते हैं और निश्चित करते हैं कि सफाई में कोई भी कमी न रहे। दुबई का हर कोना मानो, यह संदेश देता है कि स्वच्छता ही असली सुंदरता है।

सभी करते हैं नियमों का पालन: यातायात संबंधी कोई परेशानी यहां नजर नहीं आती है। सभी यातायात नियमों का पालन करते हैं। इन नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कड़े दंड का प्रावधान है। उदाहरण के लिए अगर आप सड़क पार करते समय निर्धारित स्थानों का उपयोग नहीं करते हैं तो आपको स्थानीय 400 दिरहम (एईडी) का जुर्माना भरना पड़ सकता है। यह न केवल लोगों को अनुशासित रहने के लिए प्रेरित करता है, बल्कि शहर की स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने में भी मदद करता है। बहुत सारे विकसित देशों की तरह ही दुबई में भी सड़क पर पैदल चलने वाले लोगों को प्राथमिकता दी जाती है।

सी-बीच के लाजवाब नजारे: दुबई के समुद्र तट भी इसकी खासियतों में से एक हैं। साफ-सुथरे और व्यवस्थित समुद्र तटों पर समय बिताना किसी जादुई अनुभव से कम नहीं होता है। मुझे विशेष रूप से दुबई की बीच लाइब्रेरी बहुत पसंद आई। समुद्र किनारे किताबें पढ़ने का अनुभव अनोखा और सुकून भरा होता है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि ज्ञानवर्धन का भी। इन तटों पर सुबह-सुबह की सैर और सूर्यास्त के समय का दृश्य मन को असीम शांति प्रदान करता है। दुबई स्थित मरीना बीच और जुमेराह बीच का साफ और व्यवस्थित वातावरण इसे और भी खास बनाता है। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए विभिन्न प्रकार के वॉटर स्पोर्ट्स का आयोजन भी किया जाता है, जो पर्यटकों को बहुत आकर्षित करता है।

दिखती है अनेकता में एकता: दुबई शहर की एक विशेषता, यहां विविधताओं का अनोखा संगम भी है। यहां 100 से अधिक देशों के लोग मिल-जुलकर रहते हैं। अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परंपराओं के बावजूद यहां के लोग एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। इतनी विविधता के बावजूद, दुबई एकता की मिसाल कायम करने वाला शहर है। यहां की दुकानों और बाजारों में विभिन्न देशों के व्यंजन और उत्पाद आसानी से मिल जाते हैं, जो इस सांस्कृतिक समृद्धि को और भी उजागर करते हैं।

हर जगह दिखती है सुचारु व्यवस्था: दुबई की सार्वजनिक सेवाएं भी बेजोड़ हैं। यहां की मेट्रो सेवा, बस सेवा और टैक्सी सेवा इतनी व्यवस्थित है कि किसी को भी यात्रा करने में कोई दिक्कत नहीं होती है। यहां का सार्वजनिक परिवहन इतना सुविधाजनक है कि आप बिना किसी परेशानी के शहर के कोने-कोने तक पहुंच सकते हैं। स्वास्थ्य सेवाएं और सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली इतनी तेज और प्रभावी है कि समय का सम्मान हर जगह नजर आता है।

दुनिया के कई देशों में घूमने के बाद, दुबई ने मुझे यह सिखाया है कि जब विविधता, अनुशासन और स्वच्छता का संगम होता है, तो एक बेहतर शहर-समाज का निर्माण होता है। *

बेमिसाल है मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी

दुबई में कोई पुस्तकप्रेमी पर्यटक आए और मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी न जाए, यह तो हो ही नहीं सकता है। वैसे भी मैं दुनिया में जिस भी नए शहर जाता हूं, वहां की लाइब्रेरी जरूर देखता हूं। लेकिन मोहम्मद बिन राशिद लाइब्रेरी को देखकर यही कहने को दिल करता है कि ऐसी लाइब्रेरी कोई और नहीं है। इस लाइब्रेरी की बिल्डिंग भी बुक शेप्ड है। यहां टेक्नोलॉजी और किताबों को बहुत ही अच्छे तरीके से एक जगह पर संजोया गया है। इस लाइब्रेरी में विभिन्न विषयों पर बेशुमार पुस्तकें और उनके डिजिटल फॉर्मेट्स बुक लवर्स के लिए उपलब्ध हैं।

यादगार नए साल का स्वागत

इस साल दुबई में नए साल (वर्ष 2025) का स्वागत करना मेरे जीवन का एक यादगार अनुभव रहा। मरीना बीच पर आतिशबाजी का शानदार प्रदर्शन, संगीत और खुशियों की गूंज ने इस पल को अविस्मरणीय बना दिया। नए साल के मौके पर सड़कों पर उमड़ी भीड़ और हर चेहरे पर खुशी की चमक इस शहर की जिंदादिली का प्रतीक थी। उसे देखकर यही लगा कि यहां के उत्सवप्रेमी लोग खुशी के हर अवसर को उल्लास से भर देते हैं।

सेल्फ मोटिवेशन

अतुल मलिकराम

गरीबी केवल आर्थिक स्थिति नहीं होती है, यह एक मानसिकता का भी परिणाम होती है। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक अपनी स्थिति में बदलाव करना मुश्किल है। यह बदलाव कैसे संभव है, इसके लिए क्या जरूरी है, हमें जरूर जानना चाहिए।

पैसा नहीं सोच बनाती है हमें अमीर या गरीब

गरीबी, हमारे देश-समाज में एक ऐसी समस्या है, जिसे खत्म करने के लिए सबसे ज्यादा प्रयास किए गए। इसके लिए हर प्रकार की योजनाएं, कार्यक्रम और अभियान चलाए गए, फिर भी इस समस्या से छुटकारा नहीं पाया जा सका। इसका एक कारण यह है कि इस समस्या को केवल एक आर्थिक स्थिति मानकर ही इसका हल खोजा जाता रहा है, जबकि यह समस्या केवल आर्थिक अभाव की स्थिति नहीं है, बल्कि इससे बढ़कर यह एक मानसिक स्थिति भी है।

सोच रखती है मायने: गरीब होना केवल पैसों की कमी का नाम नहीं होता है, बल्कि यह उस सोच का भी परिणाम है, जो किसी को गरीबी के जाल से बाहर निकलने से रोकती है। कई बार लोग गरीबी को केवल आर्थिक दृष्टिकोण से देखते हैं। उनके अनुसार, गरीबी मिटाने का समाधान केवल धन है। लेकिन, क्या सचमुच ऐसा है? यदि केवल आर्थिक मदद से गरीबी दूर हो सकती, तो अब तक दुनिया से गरीबी का नामो-निशान मिट चुका होता। लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

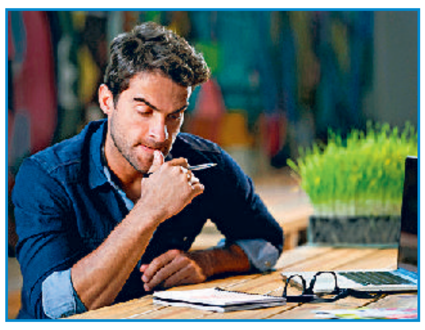

मानसिकता होती है जिम्मेदार: आर्थिक स्थिति के साथ-साथ गरीबी उस मानसिकता का परिणाम है, जिसमें इंसान अपने आप को परिस्थितियों का गुलाम मान लेता है। ऐसी सोच वाले लोग अपनी स्थिति को बदलने का प्रयास ही नहीं कर पाते। आपने कई बार देखा और सुना होगा कि कुछ परिवार पीढ़ी-दर-पीढ़ी गरीब रहते हैं। इसका कारण केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है, बल्कि वह मानसिकता है, जो उनकी हर पीढ़ी को विरासत में मिलती है। बच्चे अपने परिवार के वातावरण और सोच को आत्मसात कर लेते हैं। जब वे अपने माता-पिता को यह कहते सुनते हैं, 'हम तो हमेशा से गरीब हैं', या 'गरीबी के साए में पलना-बढ़ना ही हमारी किस्मत में है', तो उनके मन ही नहीं, बल्कि जीवन में भी यही विश्वास घर कर जाता है। और यही विश्वास फिर धीरे-धीरे उनकी सोच और व्यवहार का हिस्सा बन जाता है। इस प्रकार, एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक यह मानसिकता हस्तांतरित होती रहती है और गरीबी नाम का यह साया और भी काला होता चला जाता है।

सही सोच से संभव है बदलाव: गरीबी की कैद से बाहर निकलने के लिए केवल धन की आवश्यकता नहीं होती है। इसकी असली चाबी है सकारात्मक सोच और दृढ़ संकल्प। वे ही लोग गरीबी से बाहर निकल सके हैं, जिन्होंने सबसे पहले अपनी सोच और मानसिकता बदली। उन्होंने यह समझा कि गरीब होना स्थायी स्थिति नहीं है। वे समझते हैं कि यदि वे मेहनत करें, अपने हुनर को पहचानें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो वे अपनी स्थिति को बदल सकते हैं।

आत्मविश्वास से बदलेंगे हालात: सोच के समृद्ध होने का मतलब केवल बड़े सपने देखना भर नहीं होता है। इसका मतलब है, हर चुनौती को अवसर के रूप में देखना और लगातार प्रयास करते रहना। साथ ही यह ठान लेना कि इस स्थिति से बाहर निकलना ही है। जब तक यह विश्वास नहीं होगा कि आप अपनी स्थिति बदल सकते हैं, तब तक कोई भी आपकी मदद नहीं कर पाएगा। इसलिए अपनी स्थिति सुधारने के लिए सबसे पहले मानसिकता बदलने की जरूरत है।

खुद पर विश्वास करना गरीबी से बाहर निकलने की पहली सीढ़ी है। जब आप यह मानेंगे कि आप बदलाव ला सकते हैं, तभी आप प्रयास करेंगे। ज्ञान और कौशल वह हथियार हैं, जिनसे आप किसी भी स्थिति से बाहर निकल सकते हैं। नए कौशल सीखें और अपने आप को बेहतर बनाने की दिशा में काम करें। अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं। नकारात्मक विचारों को त्यागें और हर समस्या में समाधान ढूंढ़ने की आदत डालें। अगर हम अपनी सोच को सकारात्मक बनाएं, अपने आप पर विश्वास रखें और अवसरों का लाभ उठाएं, तो हम गरीबी से बाहर निकल सकते हैं। *

फैशन ट्रेंड

विवेक कुमार

अगर आप ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल होने के साथ-साथ आपको फैशनेबल और ट्रेंडी लुक भी दे, तो स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर आपके लिए परफेक्ट चॉइस हो सकती है।

कूल फैशन का ऑप्शन एथलीजर-स्पोर्ट्स वियर

इन दिनों युवाओं में स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। स्पोर्ट्स वियर और एथलीजर वियर ऐसी ड्रेस होती हैं, जिन्हें खासतौर से स्पोर्ट्स या जिम एक्टिविटीज के लिए डिजाइन किया जाता है। मसलन जॉगर्स, ट्रैक पैंट्स, लेगिंग्स, क्रॉप टॉप्स, हुडीज, स्नीकर्स और जैकेट्स आदि। ये ड्रेसेस डेली यूज के लिहाज से भी कंफर्टेबल और स्टाइलिश होते हैं। यह फैशन आमतौर पर युवा ही कैरी करते हैं, क्योंकि इसे कैरी करने के लिए बॉडी फिटनेस और फ्लैक्सिबिलिटी बहुत जरूरी है, तभी ये बेस्ट अपीयरेंस देती है।

क्यों बढ़ रहा है क्रेज: हाल के सालों में युवाओं में फिटनेस को लेकर क्रेज बढ़ा है, ज्यादा से ज्यादा यंगस्टर्स वर्कआउट करते हैं। आज के फिटनेस फ्रीक यंगस्टर्स ऐसी ड्रेस चाहते हैं, जो कंफर्टेबल और फैशनेबल होने के साथ-साथ उनकी फिटनेस को शो-ऑफ भी करे। ये सारी क्वालिटीज उन्हें स्पोर्ट्स और एथलीजर वियर में एक साथ मिल जाती हैं। ये ड्रेस ग्लोबल और ट्रेंडी फैशन का हिस्सा हैं। चाहे बॉलीवुड या हॉलीवुड के सितारे हों, मशहूर खिलाड़ी हों, बिजनेस टाइकून हों या किसी भी क्षेत्र के कामयाब युवा हों, वे फिट और स्मार्ट दिखने के लिए आजकल स्पोर्ट्स वियर को फैशन की तरह कैरी कर रहे हैं, इसलिए भी ये ड्रेसेस युवाओं को बहुत पसंद आ रही हैं। वे खूब चाव से इन्हें पहनते हैं।

होते हैं कंफर्टेबल-मल्टीपर्पस: एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर हल्के, कंफर्टेबल और स्ट्रेचेबल फैब्रिक से बनाए जाते हैं। ये बॉडी के लिए ब्रिथेबल (सांस लेने योग्य) होते हैं, जिस कारण इन्हें लंबे समय तक पहना जा सकता है। साथ ही ये मल्टीपर्पस और मल्टीस्टाइल होते हैं। जिम, कैजुअल आउटिंग या ऑफिस के लिए भी ये उपयुक्त समझे जाते हैं।

हर प्राइस रेंज में अवेलेबल: मार्केट में हर प्राइस रेंज में एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर अवेलेबल हैं। डिफरेंट ब्रांड्स और क्वालिटी के हिसाब से 500 से 1500 रुपए के लोअर रेंज, 1500 से 5000 रुपए के मिड रेंज और 5000 रुपए से शुरू होने वाले हाई-एंड रेंज में आपको ये स्पोर्ट्स वियर या एथलीजर मिल जाएंगे।

जब कैरी करें स्पोर्ट्स-एथलीजर: जब भी आप एथलीजर या स्पोर्ट्स वियर कैरी करें तो फिटिंग का ध्यान जरूर रखें। अधिक लूज स्पोर्ट्स वियर अटपटे लगते हैं। ये हमेशा फिट होने चाहिए। हालांकि इतने टाइट भी न हों कि आप असहज महसूस करें। दूसरी जो बात सबसे ज्यादा ध्यान देने की है कि आपके स्पोर्ट्स वियर का मैटीरियल क्या है? वास्तव में ये स्वेट विकिंग यानी पसीना सोखने वाला होना चाहिए और ब्रीथेबल यानी सांस लेने में योग्य तो होना ही चाहिए। स्पोर्ट्स वियर को हमेशा जितना संभव हो सादगी से पहनें। ये कैजुअल आउटिंग के लिए ही ठीक हैं। कभी फॉर्मल इवेंट में इन्हें कैरी करके न जाएं।

इन बातों का भी रखें ध्यान: न्यूट्रल और मोनोक्रोम लुक्स (जैसे-ब्लैक, व्हाइट, ग्रे) वाले एथलीजर और स्पोर्ट्स वियर इन दिनों ट्रेंड में हैं। इन्हें कैरी करते समय अपने शूज का भी ध्यान रखना जरूरी है। इनके साथ आप हमेशा क्लीन और ट्रेंडी स्पोर्ट्स शूज या स्नीकर्स ही कैरी करें। स्पोर्ट्स वियर में लेयरिंग लुक भी खूब पसंद की जाती है। लेयरिंग लुक हुडीज, जैकेट्स आदि से मिलती है। लेयरिंग लुक स्पोर्ट्स वियर के साथ बेहतरीन और स्टाइलिश कॉम्बिनेशन बनाती है। जहां तक स्पोर्ट्स वियर के साथ एक्सेसरीज की बात है तो वाच, कैप या स्लिंग बैग जैसे हल्के एक्सेसरीज स्पोर्ट्स वियर को 'वॉव' लुक देते हैं। लेकिन ओवर ड्रेसिंग से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

कुछ समय पहले नेटफ्लिक्स पर 'ब्लैक वारंट' वेब सीरीज रिलीज हुई है। इसमें जेलर सुनील कुमार गुप्ता के लीड रोल में जहान कपूर नजर आ रहे हैं। बीते दौर के मशहूर अभिनेता शशि कपूर के ग्रैंडसन जहान ने इस वेब सीरीज से जुड़े एक्सपीरियंस और एक्टिंग करियर से जुड़े सवालों के जवाब दिए इस बातचीत में।

मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी: जहान कपूर

जहान कपूर ने विक्रमादित्य मोटवानी के प्रोडक्शन में बनी वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार बहुत ही मैच्योर तरीके से निभाया है। हाल में पृथ्वी थिएटर में जहान कपूर से बातचीत हुई। पेश है इसके प्रमुख अंश-

हालिया रिलीज वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' में लीड एक्टर के तौर पर आपका सेलेक्शन कैसे हुआ?

'ब्लैक वारंट' की कास्टिंग मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबरा ने की थी, उसमें मैंने भी ऑडिशन दिया। ऑडिशन के 2-3 महीने बाद मुझे विक्रमादित्य मोटवानी के ऑफिस से कॉल आया। मैं उस वक्त मकरंद देशपांडे के निर्देशन में 'सियाचिन' नाटक में मुख्य भूमिका निभा रहा था। विक्रमादित्य सर के साथ काफी बातचीत और 2-3 मीटिंग्स के बाद मुझे जेलर सुनील कुमार गुप्ता के रोल के लिए सेलेक्ट कर लिया गया।

जेलर सुनील कुमार गुप्ता का किरदार निभाने के लिए आपको किस तरह की तैयारी करनी पड़ी?

यह वेब सीरीज एक किताब 'ब्लैक वारंट : कंफेशन ऑफ ए तिहाड़ जेलर' पर आधारित है। इसे लिखा है खुद सुनील गुप्ता और सुनेत्रा चौधरी ने। मैंने सबसे पहले इस किताब को बारीकी से पढ़ा। मेरे रोल और लुक को लेकर काफी डिस्कशंस हुए। मूंछें पतली रखी जाएं या मोटी, बालों को कैसे रखा जाए, यूनिफॉर्म पहन कर कैसी चाल होगी, मेरा चलना शुरू में कैसे होगा, बाद में कैसे होगा? हर छोटी से छोटी बात पर ध्यान दिया गया। इस कहानी में मेरे किरदार के कई पहलू हैं। सुनील गुप्ता के मेंटल स्टेजेस को प्रेजेंट करना काफी मुश्किल था, किताब पढ़ने के बाद मुझे इसमें काफी हेल्प मिली। अब जब इस वेब सीरीज में मेरी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है, तो बहुत अच्छा लग रहा है। इसका श्रेय मैं इस शो की पूरी टीम को दूंगा।

वेब सीरीज 'ब्लैक वारंट' के एक सीन में जहान कपूर

जेलर सुनील गुप्ता के किरदार से आप खुद को कितना रिलेट करते हैं?

यह सच है कि एक पारिवारिक संस्कारी युवक से सुनील कैसे गाली-गलौज करने वाले जेलर बन जाते हैं, कैसे कैदियों की फांसी देखते-देखते उनका दिल डेड जैसा हार्ड हो जाता है, इसे समझना बहुत मुश्किल था। जहां तक रियल लाइफ में सुनील कुमार गुप्ता के किरदार से रिलेट करने की बात है, तो मेरा फैमिली बैकग्राउंड उनसे पूरी तरह से अलग है। सिर्फ इतना कह सकता हूं कि सुनील की तरह ही मेरा स्वभाव भी सिंपल-सोबर है। मैं भी सुनील की तरह शांतिप्रिय और पॉजिटिव इंसान हूं।

क्या आपने अभिनय में आने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि कपूर परिवार के ज्यादातर लोग अभिनय से जुड़े रहे हैं?

यह सच है कि हमारे परिवार का लगभग हर दूसरा सदस्य एक्टिंग से जुड़ा है, लेकिन इसी वजह से मैंने भी यही राह पकड़ी ऐसा नहीं है। मेरी मां 'शोले' फेम निर्देशक रमेश सिप्पी की पुत्री शीना सिप्पी एक जानी-मानी फोटोग्राफर और पिताजी कुणाल कपूर एक्टर के साथ पृथ्वी थिएटर के एडमिनिस्ट्रेटर हैं। मुझे जब स्कूल में दाखिल किया गया तो सभी को अहसास हुआ कि मैं डिस्लेक्सिक हूं। मुझे पढ़ने में दिक्कत हो रही थी। मेरे मम्मी-पापा ने तुरंत इसका ट्रीटमेंट शुरू करवाया, तब जाकर मैं इससे बाहर निकला। इस वजह से मेरे करियर को लेकर बहुत ज्यादा प्लानिंग नहीं हुई। दसवीं क्लास के एग्जाम्स के बाद मैं पृथ्वी थिएटर से जुड़ गया। वहां बैक-स्टेज, सेट-डिजाइनिंग से लेकर प्रोडक्शन इंचार्ज तक, मुझे जो भी काम मिलता था, मैं कर लेता था। ग्रेजुएशन करने के दौरान ही मेरी मां ने मुझे एक एड एजेंसी में काम करने भेजा। मैंने इस एड एजेंसी में कॉपी राइटिंग, को-ऑर्डिनेशन से लेकर मॉडल शूट तक हर डिपार्टमेंट में काम सीखा। इन सबके बीच 'पृथ्वी थिएटर' के नाटकों में मेरा अभिनय भी चल रहा था। इसी तरह मुझे एक्टिंग से लगाव हुआ, और निर्देशक हंसल मेहता ने मुझे अपनी फिल्म 'फराज' में मौका दिया। इस तरह फिल्मों में बतौर एक्टर मैंने करियर बनाना डिसाइड कर लिया।

क्या कपूर परिवार का होने की वजह से आप प्रेशर भी फील करते हैं?

अभिनय की दुनिया में कपूर परिवार को सौ वर्ष हो चुके हैं। मैं शशि कपूर का पोता हूं। लोग आज कहते है मुझ में दादाजी (शशि कपूर) की छवि नजर आती है, यह सुनकर मुझे अच्छा लगता है, लेकिन उन्होंने जो महारत, जो मुकाम हासिल किया, क्या मैं वो क्या हासिल कर सकता हूं? पता नहीं! जाहिर-सी बात है मुझसे भी दर्शकों को कई उम्मीदें होंगी। मेरी तुलना लोग रणबीर, करीना, करिश्मा से भी करते होंगे। लेकिन इस सच्चाई को झुठलाया नहीं जा सकता कि इंसान को आगे बढ़ने के लिए टैलेंट के साथ किस्मत का साथ होना निहायत जरूरी होता है। और इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हर किसी की किस्मत अलग ही होती है। हाथ की पांचों अंगुलियां एक समान होती हैं क्या? प्रतिभा है, पर मौके न मिलें तो प्रतिभा कैसे उजागर होगी? मैं कपूर खानदान से जुड़ा हुआ हूं, सिर्फ इसलिए घर पर बैठे-बैठे काम का इंतजार नहीं करता रहूंगा। मैं खुद कोशिशें करता रहूंगा। ऑडिशन देता रहूंगा। मुझे पूरा यकीन है कि मेरी पहचान वक्त के साथ आगे बढ़ेगी। *

घर में वे सिर्फ मेरे दादाजी थे...

अपने दादाजी (शशि कपूर) को जहान कैसे याद करते हैं, उनकी कौन सी फिल्में उन्हें पसंद हैं पूछने पर जहान बताते हैं, 'फिल्मी पर्दे पर तो वे शशि कपूर थे, द अल्टीमेट हैंडसम हीरो। लेकिन घर में मुझे प्यार करने वाले, वे सिर्फ मेरे दादाजी थे। मेरी अंगुली पकड़ कर मुझे आइसक्रीम खिलाने ले जाते थे। अकसर मुझे और मेरी सिस्टर शायरा को इंग्लिश फिल्म दिखाने ले जाते थे। बहुत सुनहरे दिन थे वो। जहां तक उनकी फेवरेट फिल्म की बात है तो दादाजी की हर फिल्म तो मैंने देखी नहीं, लेकिन 'दो और दो पांच', 'कलयुग', 'शर्मिली', 'दीवार', 'जूनून', 'आ गले लग जा' मेरी पसंदीदा फिल्में रही हैं।'